रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, गुरुवार 13 मार्च 2025, वर्ष 10, अंक 420 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

फर्जी आईएएस अधिकारी को पुलिए ने किया गिरफ्तार

खुद को बताता था सचिवालय में असिस्टेंट

पुलिस ने फर्जी आईएएस अधिकारी बनकर धौंस जमाने और ठगी करने के आरोप में प्रोफेसर कालोनी से कुमार देवांशु को गिरफ्तार किया है। उसके पास से कई अधिकारियों के फेक आईडी, सर्विस बुक, मुहर, लैपटॉप और अन्य संदिग्ध सामान मिला है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मधुबनीः जिले से पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह युवक फर्जी IAS अफसर बनकर लोगों को धमकाता था और ठगी करता था। कुमार देवांशु नाम के इस युवक को प्रोफेसर कॉलोनी से पकड़ा गया। पुलिस को उसके पास से कई फर्जी ID कार्ड, सर्विस बुक, मुहर, लैपटॉप और दूसरे संदिग्ध सामान मिले हैं। यह युवक बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के बेतौना गांव का रहने वाला है। पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है।

मधुबनी में फर्जी IAS गिरफ्तार कुमार देवांशु को मंगलवार शाम को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रमोद कुमार महथा की अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने उसके पास से मिले सभी जाली दस्तावेज भी कोर्ट में पेश किए। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि देवांशु ने कितने लोगों को ठगा है और उसके संबंध किस-किस से हैं।

खुद को बताता था सचिवालय में असिस्टेंट डायरेक्टर देवांशु खुद को सचिवालय में असिस्टेंट डायरेक्टर बताता था। मकान मालिक के साथ किराए को लेकर हुए विवाद के बाद पुलिस वहां पहुंची। पुलिस को उस पर शक हुआ और उन्होंने उसके कमरे की तलाशी ली। तलाशी में फर्जी दस्तावेज मिलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उस पर फर्जी पहचान पत्र और मुहर रखने, फर्जी सर्विस बुक बनाने, धमकी देकर ठगी करने और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप है। **फर्जी आईडी से रहिए होशियार** यह घटना लोगों के लिए एक चेतावनी है कि वे किसी भी व्यक्ति की बातों में आने से पहले उसकी पहचान की अच्छी तरह से जांच कर लें। खासकर जब कोई खुद को सरकारी अधिकारी बताए, तो उसकी ID और अन्य दस्तावेजों की पूरी तरह से पुष्टि कर लें। ऐसे फर्जी लोगों से सावधान रहना बहुत जरूरी है। पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करके एक बड़ी ठगी को रोक लिया है।

भारत में बिना वैध पासपोर्ट घुसने पर 5 साल जेलः लोकसभा में इमिग्रेशन बिल पेश

जो विदेशी भारत के लिए खतरा, उसे एंट्री नहीं

नई दिल्ली भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की आवाजाही प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिए केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में इमिग्रेशन और विदेशी विधेयक-2025 पेश किया। इस बिल के मुताबिक यदि कोई गैर कानूनी तरीके से किसी विदेशी को देश में लाता, ठहराता या बसाता है, तो उसे 3 साल जेल या 2 से 5 लाख रुपए का जुर्माना या फिर दोनों की सजा हो सकती है। भारत में आने के लिए किसी भी विदेशी के पास 'वैध पासपोर्ट और वीजा' होना अनिवार्य होगा। विपक्ष ने लोकसभा में इस बिल का विरोध किया। प्रस्तावित कानून के तहत विदेशी नागरिकों को विभिन्न अधिनियमों के तहत सजा दी जा सकती हैः पासपोर्ट एक्ट, 1920 विदेशी पंजीकरण एक्ट, 1939 फॉरेनर्स एक्ट, 1946 इमिग्रेशन एक्ट, 2000

विदेशी को भारत आने से रोक सकती है सरकार यदि कोई शिक्षण या मेडिकल संस्थान, अस्पताल या निजी आवास के मालिक किसी विदेशी नागरिक को रखते हैं तो उन्हें पहले इसकी सूचना सरकार को देनी होगी। कोई भी विदेशी किसी भी संस्थान में दाखिला लेता है तो उसे एक फॉर्मेट में अपनी जानकारी भरकर पंजीकरण अधिकारी को देनी होगी। इस कानून का मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा तय करना है। साथ ही भारत में आने-जाने और रहने से जुड़े नियमों को सख्त बनाना है। इसके तहत अगर सरकार को किसी विदेशी नागरिक से खतरा महसूस होता है, तो सरकार उस विदेशी नागरिक को भारत आने से रोक सकती है।

देश की उन्नति सरकार की जिम्मेदारी लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बिल पेश करते हुए कहा, "देश की उन्नति, प्रभुता और शांति सरकार की जिम्मेदारी है। ये बिल हम किसी को रोकने के लिए नहीं ला रहे हैं, ज्यादा से ज्यादा लोग यहां पर आएं, लेकिन हमारे देश का जो कानून है उसका पालन जरूर करें।" इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर कोई शख्स बिना परमिट के भारत में घुसता है, अवैध रूप से ज्यादा समय तक ठहरता है या जाली दस्तावेज इस्तेमाल करता है, तो उसे सख्त सजा मिलेगी। जो भी विदेशी भारत आएंगे, उन्हें अराइवल पर रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। इसके अलावा, नाम बदलने, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने और संरक्षित इलाकों में घूमने पर भी पाबंदियां लगाई जाएंगी।

नियम तोड़ने पर सख्त सजा इस कानून के मुताबिक विदेशी नागरिकों को भारत में प्रवेश और रहने से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। अगर कोई नियम तोड़ता है, तो उसे कड़ी सजा हो सकती है। बिना सही पासपोर्ट और दस्तावेजों के भारत में घुसने पर 5 साल तक की जेल और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। जाली पासपोर्ट या वीजा का इस्तेमाल करने पर 7 साल तक की कैद और 1 से 10 लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है। वीजा खत्म होने के बाद भी रुकने या प्रतिबंधित इलाकों में जाने पर 3 साल की जेल और 3 लाख तक का जुर्माना लग सकता है। भारत फिजिकल और ई-वीजा दोनों जारी करता है। जापान, दक्षिण कोरिया और यूएई के नागरिकों को वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा मिलती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 के बीच 98.40 लाख से ज्यादा विदेशी टूरिस्ट भारत आए। **विपक्ष ने किया विरोध** इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल 2025 को लेकर विपक्षी दलों ने विरोध किया। तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने कहा कि बिल बाहर से आने वाली प्रतिभाओं का प्रवाह रोक सकता है जवाब में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि बिल भारत आने से रोकने के लिए नहीं, बल्कि जो आएं, वो भारत के कानून का पालन करें, इसके लिए है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने इसे असंवैधानिक बताया। उनका कहना है कि यह कानून सरकार की विचारधारा से असहमत लोगों को भारत में प्रवेश से रोकने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

गैंगस्टर अमन साहू के बुढ़मू स्थित घर में मातम, मां-पिता बेसुध, गांव में पसरा हैं सन्नाटा, आतंक की कहानी सुन हो

रांची : गैंगस्टर अमन साहू को पुलिस ने 11 मार्च को पलामू में एनकाउंटर में मार गिराया। उसकी मौत की सूचना के बाद घर में मातम छाया हुआ है और रांची के बुढ़मू स्थित मतबे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। माता-पिता अमन के मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गये। मां को रिश्तेदारों और गांव वालों ने संभाला हुआ है। बेटे की मौत के बाद पिता निरंजन साहू स्तब्ध है और चुप्पी साध ली है। वो गांव में ही एक किराने की दुकान चलाते है। अमन के मारे जाने को लेकर माता-पिता और रिश्तेदारों ने प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया है।

अमन साहू का बचपन पतरातू में बीता था, सालों पहले अमन के पिता बुढ़मू स्थित मतबे गांव में आकर बस गए थे। अमन के दादा खेती-बाड़ी किया करते थे। अमन का एक भाई नौकरी करता है जबकि दूसरा भाई आकाश साहू टेरर फंडिंग के मामले में रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद है। आकाश साहू ने अपने भाई अमन साहू के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए औपबंधित जमानत की याचिका एनआईए के विशेष कोर्ट में दाखिल की है।

निर्धारित एक्शन प्लान के अनुसार प्रत्येक सप्ताह शनिवार को अपने अपने आवंटित पंचायत में सभी अधिकारी निश्चित रूप से उपस्थित रहेंगे तथा जागरूकता अभियान चलाएंगे।उन्होंने बच्चों के प्रति गंभीर एवं संवेदनशील होने तथा समर्पित भाव से निर्धारित ड्यूटी का पालन करने का सख्त निर्देश दिया।

मोबाइल दुकानदार से जानिये कैसे बना झारखंड का सबसे बड़ा गैंगस्टर अमन साहू, क्या थी उसकी कमजोरी

अक्टूबर 2024 से रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद अमन साहू जेल के अंदर से ही अपने गैंग को चला रहा था, वहीं से रंगदारी और वसूली का अवैध धंधा चला रहा था। रायपुर पुलिस उसे दो मामलों में ट्रांजिट रिमांड में लेकर रांची से रायपुर गई थी। एक केस के मामले में उसे कोर्ट में पेश होना था और रांची के बिरसा मुंडा जेल में उसे शिफ्ट करना था। इसी दौरान पलामू के चैनपुर-रामगढ़ मार्ग पर अन्हारी ढोड़ा के पास पुलिस की गिरफ्तर से भागने की कोशिश करते

मंईयां सम्मान योजना के पैसे के लिए विवाहिता की हत्या, ससुरालवालों ने दिया वारदात को अंजाम

गढ़वा : महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही मंईयां सम्मान योजना एक विवाहिता के लिए जानलेवा साबित हुई। रंका थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में 25 वर्षीय शकीना बीबी की उसके ससुरालवालों ने गला दबाकर हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार, शकीना के खाते में सरकार द्वारा 7500 रुपये भेजे गए थे, जिसे सोमवार को उसने बैंक से निकालकर घर लाई। इसके बाद पति खुर्शीद अंसारी, सास रोजनी बीबी और दादी सास नजमा बीबी ने शकीना से पूरे पैसे देने की मांग की। जब शकीना ने पैसे देने से इनकार किया, तो उन लोगों ने दबाव बनाना शुरू कर दिया। शकीना ने 500 रुपये अपने पति को दिए, लेकिन वे संतुष्ट नहीं हुए और पूरे पैसे की मांग करने लगे।

सोमवार शाम करीब 7 बजे आरोपियों ने शकीना की बेरहमी से पिटाई कर दी और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में, साक्ष्य छुपाने और घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को घर के बाहर पेड़ से लटका दिया गया।

मृतका के पिता रोज मोहम्मद अंसारी को जब घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने रंका थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराया और न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति खुर्शीद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

पुलिस प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही जा रही है।

BJP के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पर RSS-BJP आमने-सामनेः संघ का अल्टीमेटम पार्टी ने इग्नोर किया, नड्डा को 40 दिन का एक्सटेंशन

दिल्ली 'BJP को नए अध्यक्ष पद के लिए जेपी नड्डा जैसा ही कोई नाम चाहिए। उधर, RSS को कोई ऐसा चाहिए, जो संगठन का भरोसेमंद हो, जिसकी नीयत RSS की पद्धति और नीति पर चलने की हो। कम से कम नड्डा या नड्डा जैसा कोई लीडर इस कसौटी पर बिल्कुल भी खरा नहीं उतरता।' BJP का अगला अध्यक्ष कब तक चुन लिया जाएगा? इस सवाल का जवाब देते हुए RSS में हमारे एक सोर्स BJP और RSS के बीच चल रही खींचतान की ओर इशारा कर देते हैं। उनके मुताबिक, पार्टी और संगठन के बीच नए अध्यक्ष के नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। इस वजह से मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को ही 40 दिन का एक्सटेंशन मिल गया है। यानी 20 अप्रैल से पहले नए अध्यक्ष का नाम सामने आना मुश्किल है।

BJP का नया अध्यक्ष न चुन पाने की एक वजह 36 में से 24 राज्य इकाइयों में संगठन के चुनाव न हो पाना भी है। अध्यक्ष चुनने के लिए आधे से ज्यादा राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव होना जरूरी है। अब तक सिर्फ 12 राज्यों में ही चुनाव हो पाए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अभी 6 और राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव होना जरूरी है।

BJP के नए अध्यक्ष के नाम के ऐलान में देरी क्यों हमने नए अध्यक्ष के चुनाव को लेकर तीन राज्यों में RSS के विभाग प्रचारकों से बात की। इनमें से एक पदाधिकारी बताते हैं, 'RSS पार्टी के काम में दखल नहीं देता। सिर्फ सलाह देता है, वो भी तब जब मांगी जाए।'

सीएम हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद संख्या-WPS No. 25/2021, प्रिया महान्ती बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य तथा उक्त से उद्भूत LPA No. 242/2023, प्रिया महान्ती बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य तथा SLP No. 19971/2024, झारखण्ड सरकार एवं अन्य बनाम प्रिया महान्ती में पारित आदेश एवं अवमाननावाद संख्या-Cont. Case (Civil) No. 696/2024 प्रिया महान्ती बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य के क्रम में स्व० भगत चरण महान्ती, भूतपूर्व पदचर की सेवा नियमित एवं सम्पुष्ट किये जाने तथा उनकी पुत्री प्रिया महान्ती को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्त किए जाने की स्वीकृति दी गई। माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद संख्या-WPS No. 1807/2022, हसनैन अख्तर बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य में पारित आदेश के अनुपालन के क्रम में श्री हसनैन अख्तर की सेवा नियमित एवं सम्पुष्ट करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई। माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद संख्या-WP(S) o.4454/2022, देवनारायण सिंह बनाम झारखण्ड राज्य एवं अन्य एवं उक्त से उद्भूत अवमाननावाद Cont Case (c) 814/2023 के क्रम में श्री देवनारायण सिंह, सेवानिवृत लिपिक की सेवा नियमित एवं सम्पुष्ट किये जाने एवं अनुमान्य वित्तीय लाभ दिए जाने की स्वीकृति दी गई। राज्य सरकार द्वारा माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के लिए नियुक्त विधि पदाधिकारियों एवं उनके Associate Counsel के द्वारा माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय, राँची के अतिरिक्त मुख्यालय के अंदर किसी अन्य न्यायालय अथवा न्यायाधिकरण में पैरवी करने हेतु शुल्क निर्धारण की स्वीकृति दी गई। झारखण्ड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम, 2023 की धारा-26 के अन्तर्गत अपर न्यायायुक्त-1, रांची के न्यायालय को विशेष न्यायालय पदभिहित करने की स्वीकृति दी गई। झारखण्ड सम्पूर्ण बिजली आच्छादन योजना अन्तर्गत शेष बचे हुए कार्यों को पूर्ण करने हेतु मार्च, 2025 तक योजना के अवधि विस्तार की स्वीकृति दी गई। अरविन्द कुमार बलदेव प्रसाद, मुख्य विद्युत अभियंता के सचिव प्रावैधिक ऊर्जा विभाग, झारखण्ड, राँची को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, राँची के परिपत्र-354 (10), दिनांक- 15.09.2006 की कंडिका-02 एवं 03 को क्षांत करते हुए अपोलो प्रोटोन कैंसर सेन्टर, चेन्नई में Spinal Astrocytoma (कैंसर) की कराये गए चिकित्सा में हुए व्यय रू० 28 लाख के प्रतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई।

नालों के पास रिहाइश, आफत में जिंदगी! कैंसर पर यह रिपोर्ट सावधान करने वाली है

नई दिल्लीः कैंसर जैसी बीमारी मरीज ही नहीं, पूरे परिवार को तबाह कर देती है। अब एक स्टडी रिपोर्ट आई है जिसमें कहा गया है कि नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) की इस स्टडी रिपोर्ट की लिखित जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में दी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन के नतीजों में ये भी सामने आया है कि सीसा (लेड), लोहा (आयरन) और एल्युमिनियम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की तय सीमा से ज्यादा पाए गए हैं।

कैंसर से लड़ने पर सरकार का खास फोकस केंद्रीय मंत्री ने सदन को बताया कि सरकार कैंसर के इलाज की बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। इसके लिए 'स्ट्रेंग्थनिंग ऑफ टर्शियरी केयर कैंसर फैसिलिटीज स्कीम' चलाई जा रही है। इस योजना के तहत 19 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (SCIs) और 20 टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर (TCCCs) को मंजूरी दी गई है। हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा कैंपस भी बनाया गया है। इन संस्थानों में कैंसर की जांच और इलाज की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सभी 22 नए एम्स में भी कैंसर के इलाज की सुविधाएं दी जा रही हैं। इनमें जांच, दवा और सर्जरी की सुविधाएं शामिल हैं।

पीएमजेएवाई का बढ़ा दायरा

मंत्री ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद लोगों का इलाज मुफ्त या बहुत कम कीमत पर होता है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PMJAY) के तहत भी कैंसर का इलाज करवाया जा सकता है। इस योजना में हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलता है। इससे देश के 12.37 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ लोग (आबादी का सबसे गरीब

PLFI के सुप्रीमो दिनेश गोप को सेंट्रल जेल में मिल रहा थी VVIP ट्रीटमेंट, छापेमारी के बाद हुआ खुलासा

रांची : PLFI के सुप्रीमो दिनेश गोप पलामू के मेदिनीनगर केंद्रीय कारा में बंद है। सेंट्रल जेल में दिनेश गोप को VVIP ट्रीटमेंट दी जा रही थी। इस बात कर खुलासा उस समय हुआ जब जिला प्रशासन की टीम ने जेल में छापेमारी की।

अमन साहू के एनकांउटर के बाद अब मयंक सिंह और राहुल सिंह संभालेगा गिरोह, गैंग के 3 शूटर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पलामू के डीसी शशि रंजन और एसपी रीष्मा रमेशन ने बुधवार को सेंट्रल जेल में छापेमारी की। इस दौरान दिनेश गोप को लेकर चौकाने वाली जानकारी सामने आई। जेल के अंदर दिनेश गोप को कई कमरे उपलब्ध कराई गई थी, एक कमरे का इस्तेमाल वो पूजा रूम के रूप में करता था और अन्य कमरों का इस्तेमाल अन्य सुविधाओं के लिए करता था। इसके साथ ही दिनेश गोप को जेल के अंदर अन्य कई तरह की विशेष सुविधाएं दी गई थी। दिनेश गोप जेल के अंदर इंटरनेशनल ब्रांड के कपड़े इस्तेमाल कर रहा था। कुछ महीने पहले ही उसे पलामू जेल में शिफ्ट किया गया था। इस जेल में 900 से ज्यादा कैदी बंद है।

गैंगस्टर अमन साहू के बुढ़मू स्थित घर में मातम, मां-पिता बेसुध, गांव में पसरा हैं सन्नाटा, आतंक की कहानी सुन हो जाएंगे के दंग

दिनेश गोप को जेल में दी जा रही सुविधाओं को देखकर अधिकारी नाराज हुए और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पलामू सेंट्रल जेल के अधीक्षक भागीरथी करजी ने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन दिनेश गोप को पूजा का कमरा उपलब्ध कराया गया था। जिले के डीसी शशिरंजन ने बताया कि छापेमारी के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं किया गया है।

सैमसंग ने एआई-पावर्ड गैलेक्सी बुक5 सीरीज पीसी लॉन्च किया

रांचीः इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नए एआई-पावर्ड पीसी लाइन-अप-गैलेक्सी बुक5 प्रो, गैलेक्सी बुक5 प्रो 360 और गैलेक्सी बुक5 360 को लॉन्च कर दिया है। एआई पीसी की नई रेंज गैलेक्सी एआई की शक्ति को माइक्रोसॉफ्ट के कोपायलट+ पीसी अनुभव के साथ जोड़ती है ताकि शानदार उत्पादकता, रचनात्मकता और इंटेलिजेंट वर्कफ्लो मिल सके। गैलेक्सी बुक5 सीरीज पहली बार एआई के साथ आती है। नई सीरीज में एआई कंप्यूटिंग के लिए न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट के साथ-साथ एआई सेलेक्ट और फोटो रीमास्टर जैसे गैलेक्सी एआई फीचर हैं। एआई सेलेक्ट, गैलेक्सी स्मार्टफोन पर गूगल के साथ सर्किल टू सर्च जैसा फ़ीचर है, जो एक क्लिक से क्विक सर्च और जानकारी निकालने में सक्षम बनाता है। फोटो रिमास्टर एआई संचालित क्लैरिटी और शार्पनेस के साथ इमेज को बेहतर बनाता है। गैलेक्सी बुक5 सीरीज इंटेल® कोर™ अल्ट्रा प्रोसेसर (सीरीज 2) द्वारा संचालित है, जिसमें 47 (प्रति सेकंड टेरा ऑपरेशन) तक के शक्तिशाली एनपीयू, बेहतर ग्राफिक्स प्रदर्शन के लिए जीपीयू में 17 प्रतिशत की वृद्धि और सीपीयू सिंगल-कोर परफॉर्मेंस में 16 प्रतिशत की वृद्धि है। इंटेल एआई बूस्ट की विशेषता वाली, गैलेक्सी बुक5 सीरीज शीर्ष-स्तरीय प्रदर्शन, सुरक्षा और दक्षता प्रदान करती है। लूनर लेक के नए सिरे से डिजाइन किए गए सीपीयू-जीपीयू सेटअप, अपग्रेड किए गए एनपीयू और नेक्स्ट-जेन बैटलमेज जीपीयू एआई कंप्यूट पावर में 3 गुना वृद्धि प्रदान करते हैं और पिछली पीढ़ियों की तुलना में एसओसी पावर की खपत 40 प्रतिशत कम करते हैं, जिससे बेहतर वर्कफ्लो, आसान मल्टीटास्किंग और विस्तारित बैटरी लाइफ संभव होती है।

आईसीएआई रांची शाखा का होली मिलन समारोह आयोजित

रांचीः द इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया, रांची शाखा द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन द कॅव्स, हरमू रोड, रांची में किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के प्रतिष्ठित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और उनके परिवारों ने भाग लिया और रंगों के इस पर्व का आनंद लिया।

समारोह में इंस्टिट्यूट के पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया गया और इस अवसर पर होली की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में सदस्यगण अपने साथी पेशेवरों से मिलने, आपस में बातचीत करने और एक दूसरे के साथ अच्छे संबंध बनाने का अवसर पाकर प्रसन्न थे।

इस आयोजन का उद्देश्य पेशेवरों को एक मंच प्रदान करना था, ताकि वे एक दूसरे के साथ रिश्ते मजबूत कर सकें और साथ ही साथ इस पारंपरिक भारतीय उत्सव का आनंद उठा सकें। इंस्टिट्यूट के रांची शाखा के अध्यक्ष सीए.अभिषेक केडिया ने इस अवसर पर कहा, 'हमें गर्व है कि हम इस तरह के सामाजिक आयोजनों का हिस्सा बन सकते हैं। यह हमें एकजुट करता है और हमारे पेशेवर संबंधों को और भी मजबूत करता है।'

इस होली मिलन समारोह में रंग, उमंग और खुशी का माहौल था, जहां सभी ने एक-दूसरे के साथ मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम ने पेशेवरों के बीच दोस्ती और सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत की।

ईद एक्सपो 17 से 31 मार्च तक, प्रचार वाहन रवाना

रांचीः ईद एक्सपो रिसालदार शाह बाबा मज़ार कमिटी और पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के सयुंक्त प्रयास से लगाया जा रहा है. इस संबंध में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दरगाह कमेटी और पुलिस पब्लिक रिपोर्टर की टीम ने सयुक्त रूप से बताया, इस 15 दिवसीय ऐतिहासिक ईद एक्सपो बाजार, जिसका आयोजन 17 मार्च से 31 मार्च 2025 या ईद चांद रात तक रांची के डोरण्डा स्थित रिसालदार बाबा उर्स मैदान मे आयोजित किया जा रहा है, जहाँ 100 से ज्यादा सभी तरह के स्टॉल लगाए जा रहे है जिसमे बड़े, बच्चो, लेडीज़ जेंट्स सभी के कपड़े, कुर्ता, नक़ाब-हिजाब, बनारसी सूट और साड़ी, कोलकाता कुर्ती, लखनवी और कश्मीरी शूट से लेकर हर तरह के कपड़े, जूता चप्पल सैंडल, कॉस्मेटिक, चश्मा, बर्तन, खिलौना, ज्वेलरी, नकाब, कालीन, फर्नीचर, क्रॉकरी के अनेकों प्रकार, सेवइँ , ड्राईफ्रूट, सजावट के समान, अलग अलग फूड स्टॉल, आर्ट एंड क्राफ्ट, ज्वेलरी, लेडीज़ कॉर्नर, आचार पापड़, बेड शीट, दस्तरखान के साथ ही ईद से जुड़े सभी जरूरतो के स्टॉल लगाई जाएगी.टू व्हीलर और फोर व्हीलर गाड़ियों का कलेक्शन भी उपलब्ध रहेगा, ये सभी स्टॉल झारखंड के साथ साथ कश्मीर, बनारस, दिल्ली, कोलकाता, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कोलकाता आदि देश के अलग अलग राज्य से अपने विभिन्न प्रकार सामानों के साथ उपलब्ध रहेंगे। छोटे बच्चों के मनोरंजन के लिए अलग अलग तरह के झूले भी लगाए जायेंगे. एक ही परिसर मे मिलेंगे सभी जरूरतों की चीज़ें। इंट्री और पार्किंग फ्री रहेगा। इस अवसर पर दरगाह कमिटी, पुलिस पब्लिक रिपोर्टर टीम और डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद द्वारा संयुक्त रूप से ईद एक्सपो के कई प्रचार वाहन को रवाना किया गया। इस अवसर पर सदर मोहम्मद अयूब गद्दी, सचिव जावेद अनवर, कोषाध्यक्ष ज़ैनुल आबेदीन, उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद बिलाल, सह सचिव जुल्फिकार अली भुट्टो, दरगाह कमेटी के सदस्य आसिफ नईम, नजजू अंसारी, खालिक गद्दी, एजाज गद्दी, शंपा गद्दी, अनिस गद्दी, आज़ाद गद्दी, अस्सु गद्दी मेला के प्रायोजक पुलिस पब्लिक रिपोर्टर मोहम्मद शाहिद खान, समीर हेज़ाजी,सरफराज क़ुरैशी, संदीप कुमार मिश्रा, असगर एजाज़, इबरार गद्दी, रोहित पांडे, प्रियंका सिंह आदि उपस्थित थे।

शरारती तत्वों तथा अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर

सीएम ने आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर राज्य में विधि व्यवस्था के संधारण को लेकर वरीय पुलिस अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में आगामी पर्व-त्योहारों को देखते हुए राज्य में विधि व्यवस्था संधारण की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मौके पर मुख्यमंत्री ने वरीय पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक अभियान एवी होमकर, पुलिस महानिरीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग असीम विक्रांत मिंज, पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय मनोज कौशिक सहित अन्य वरीय पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

बेहतर विधि व्यवस्था का संधारण हर हाल में सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि होली, सरहुल, ईद, रामनवमी इत्यादि त्योहारों के मद्देनजर राज्य में बेहतर विधि व्यवस्था का संधारण हर हाल में सुनिश्चित करें। पर्व-त्योहारों का उत्सव अपराधमुक्त वातावरण में आपसी प्रेम-सौहार्द के साथ मनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में किसी भी प्रकार से कोई छोटी-मोटी अप्रिय घटना, सांप्रदायिक तनाव अथवा विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो, इस निमित्त पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ अलर्ट मोड पर रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों में सांप्रदायिक तनाव अथवा विवाद की संभावनाएं रहती है, उन क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरती जाए।

शरारती तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में शांति समिति के साथ निरंतर बैठक कर समन्वय स्थापित करें। भीड़-भाड़ वाले जगहों, धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती करें तथा शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखते हुए कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मतदाता पहचान पत्र के लंबित आवेदनों का जल्द से जल्द करें डिस्पोजलः के. रवि

रांचीः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता पहचान पत्र से संबंधित सभी आवेदनों को ससमय निष्पादित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी मतदाता को मतदाता पहचान पत्र पंजिकरण से संबंधित कोई शिकायत न रहे। श्री कुमार आज सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन कार्यालय के डाटा इंट्री ऑपरेटरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक कर रहे थे।

श्री कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का सख्त निर्देश है कि मतदाता पहचान पत्र बनाने में जीरो एरर के लक्ष्य से कार्य करना है। उन्होंने कहा कि विगत के चुनावों में मतदाता सूची के निर्माण एवं मतदाताओं के पंजिकरण के लिए बेहतर कार्य हुए हैं। उस कार्यप्रणाली को अभी भी एक्टिव रखें ताकि ससमय मतदाताओं के समस्याओं का निराकरण होता रहे। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विद्युत संबंधित समस्याओं पर चैंबर की बिजली बोर्ड के महाप्रबंधक साथ वार्ता

रांचीः विद्युत व्यवस्था पर चर्चा के लिए एनर्जी उप समिति के चेयरमेन एन.के. पाटोदिया के नेतृत्व में झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक बैठक रांची क्षेत्र विद्युत आपूर्ति के महाप्रबंधक मनमोहन कुमार के साथ विभागीय कार्यालय में हुई। विदित हो कि इससे पूर्व चैंबर द्वारा 5 मार्च को ही पत्राचार कर, उनके अधिकार क्षेत्र में आनेवाले विद्युत संबंधित समस्याएं प्रेषित कर दी गई थी। चैंबर द्वारा दिये गये पत्र के आलोक में बैठक में विधिवत् चर्चा हुई। इंडस्ट्रीयल फीडर में बार-बार पावरकट की समस्या कैसे कम की जाय, पर गहन चर्चा हुई। जीएम ने आश्वस्त किया कि चैंबर द्वारा सूची उपलब्ध कराये जाने पर जहां भी एबी स्विच लगाने की आवश्यकता होगी, लगाकर पावरकट की समस्या को कम किया जायेगा। मेंटेनेंस के लिए फिक्स टाइम निर्धारित करने तथा उसका प्रकाशन समाचार पत्रों में करने के

जय रामपुर क्लस्टर में होली मिलन समारोह का आयोजन सहिया की ओर से किया गया

तिसरा। जय रामपुर क्लस्टर में होली मिलन समारोह का आयोजन सहिया की ओर से किया गया जिसमें मुख्य रूप से ए एन एम चंदना चटर्जी, सी एच ओ संतोषी कुमारी, सहिया साथी रेखा भट्ट आदि उपस्थित थे सभी लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी कहां की काम के साथ-साथ त्योहार भी जरूरी है सब कोई मिलकर खुशियों का त्यौहार को मनाए । होली के गीत भी गाए गये। रंग बरसे भीगी चुनरवाली रंग बरसे। राम खेले होली लक्ष्मण खेले होली लंका गढ़ में रावण खेले होली। होली का गीत सब कोई मिलकर गया। मौके पर नीरज शर्मा शांति देवी, मुन्नी देवी, लक्ष्मी देवी, शांति प्रिया,मीना देवी, रानी देवी, मनोरमा गुप्ता, रेखा साहनी, मंजू देवी किरण देवी, सरिता देवी पूनम देवी संजू देवी, सुनीता देवी, पुष्प लता आदि थे ।

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति का 44वां स्थापना दिवस

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) का 44वां स्थापना दिवस सिंदरी में बहुत ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष रानी मिश्रा ने संगठन का झंडा फहराया और कहा कि एडवा का निर्माण बेहतर समाज व्यवस्था के लिए हुआ है। इस समारोह में एडवा की नेत्री ने एक महत्वपूर्ण संकल्प लिया कि वे महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्षरत रहेंगी और महिलाओं को भेदभाव रहित परिवेश सुलभ कराने, सामाजिक सुरक्षा, न्याय और समानता के अधिकार के लिए हमेशा संघर्षशील रहेंगी। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष रानी मिश्रा, नगर सचिव मिठू दास, सविता देवी, रंजू प्रसाद, सीता देवी, अनुप्रिया कुमारी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहीं। यह समारोह महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

विश्व किडनी दिवसः शुगर, बीपी कंट्रोल करें और भरपूर पानी पीएं

रांचीः विश्व किडनी दिवस पर पारस हॉस्पिटल एचइसी के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अशोक कुमार वैद्य ने कहा कि हर साल मार्च माह के दूसरे गुरुवार को किडनी दिवस मनाया जाता है। इस साल किडनी दिवस 13 मार्च को मनाया जा रहा है। इस बार विश्व किडनी दिवस 2025 की थीम है, 'क्या आपकी किडनी ठीक है? समय रहते पता लगाएं, किडनी के स्वास्थ्य की रक्षा करें'। यह किडनी की गंभीर बीमारी से पहले उसे पहचानने के लिए किडनी जांच की अहमियत पर जोर देता है।

डॉ. वैद्य ने बताया कि किडनी पूरे शरीर के रासायनिक संतुलन को बनाए रखने का काम करती है और यह शरीर के विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। झारखंड में किडनी से संबंधित बीमारियों में निरंतर वृद्धि हो रही है, और ऐसे में लोगों को जागरूक रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि किडनी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए शुगर और बीपी को नियंत्रित करना बेहद जरूरी है, साथ ही भरपूर पानी पीना चाहिए। बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी दवा का सेवन, विशेषकर पेन किलर्स का सेवन, से बचना चाहिए। जंक फूड से दूर रहना और प्रतिदिन 2 से 2.5 किलोमीटर पैदल चलना चाहिए। इसके अलावा, नियमित रूप से एक्सरसाइज और खानपान पर ध्यान देना चाहिए। डॉ. वैद्य ने यह भी कहा कि 30 साल से ऊपर की उम्र के लोगों को हर साल एक बार किडनी की जांच जरूर करवानी चाहिए, खासकर यदि घर में शुगर, बीपी या किडनी से संबंधित कोई बीमारी हो। अगर शरीर में सूजन या फूलने जैसी समस्या हो तो यह भी किडनी की बीमारी का संकेत हो सकता है, जिससे किडनी की जांच जरूरी हो जाती है।

विश्व किडनी दिवस का उद्देश्य लोगों को किडनी के महत्व और उसके स्वास्थ्य की देखभाल के बारे में जागरूक करना है, क्योंकि किडनी से जुड़ी कोई भी समस्या समय रहते पहचानकर उसका इलाज कराया जा सकता है।

पारस हॉस्पिटल के जोनल हेड श्रीकांत सुबुद्धि ने बताया कि पारस हॉस्पिटल में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है, और यहां हर महीने 1800 से अधिक मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है, जिससे किडनी रोगियों को काफी राहत मिल रही है।

पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने बताया कि एचईसी और आसपास के इलाकों के किडनी रोगी अब बिना दूर गए पारस हॉस्पिटल में डायलिसिस की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

Jio airtel
TRAI सत्यमेव जयते
Telecom Regulatory Authority of India
(IS/ISO 9001-2008 Certified Organisation)

बिहार झारखंड में रिलायंस जियो फिर नंबर वन, जोड़े 3.20 लाख नये मोबाइल ग्राहक

रांचीः ट्राई ने दिसंबर 2024 का कंज्यूमर मार्केट शेयर के आंकड़े जारी कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस जियो नए ग्राहकों को जोड़ने के मामले में टॉप पर है। भारती एयरटेल समेत पब्लिक सेक्टर के बीएसएनएल को अपने मौजूदा ग्राहकों को खोना पड़ा है।

दिसंबर 2024 में बिहार टेल्कम सर्किल में रिलायंस जियो ने रिकार्ड 03.20 लाख नए ग्राहकों को जोड़ा है। नवंबर 2024 में जियो के पास 04 करोड़ 05 लाख 04 हजार 269 ग्राहक थे जो दिसंबर में बढ़कर 04 करोड़ 09 लाख 13 हजार 517 हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक बिहार-झारखंड में बीते दिसंबर महीने में भारती एयरटेल को 12011 मौजूदा ग्राहकों को खोना पड़ा है।

नवंबर 2024 में एयरटेल के पास 04 करोड़ 05 लाख 10 हजार 920 ग्राहक थे जो दिसंबर में घटकर 04 करोड़ 04 लाख 98 हजार 909 रह गए हैं।

ट्राई रिपोर्ट के अनुसार बिहार टेल्कम सर्किल में वोडा-आइडिया को भी बीते दिसंबर महीने में 30648 नए ग्राहकों की बढ़त मिली है। नवंबर 2024 में वोडा-आइडिया के पास 74 लाख 54 हजार 845 ग्राहक थे जो दिसंबर में बढ़कर 74 लाख 85 हजार 493 हो गया है।

दिसंबर 2024 की ट्राई रिपोर्ट बताती है कि पब्लिक सेक्टर की बीएसएनएल ने बिहार सर्किल में 10 हजार 808 मौजूदा ग्राहकों को खोया है। नवंबर 2024 में बीएसएनएल के पास 59 लाख 77 हजार 315 ग्राहक थे जो दिसंबर में घटकर 59 लाख 66 हजार 507 रह गए हैं।

दिसंबर की ट्राई रिपोर्ट बताती है कि बिहार टेल्कम सर्किल के दो प्रदेशों बिहार-झारखंड में 03 लाख 27 हजार 078 नए उपभोक्ता मोबाइल सेवा से जुड़ें हैं।

रिलायंस जियो ने इसमें से 03 लाख 19 हजार 248 ग्राहकों को जोड़ा है। इस सकल बढ़त के साथ ही बिहार सर्किल की टेली डेंसिटी 56.44 फीसदी के आंकड़े तक पहुंची है जो देशभर में सबसे कम है।

बिहार टेल्कम सर्किल में रिलायंस जियो ग्राहकों को जोड़ने के मामले में लगातार बढ़त बनाए हुए है।

हाई स्पीड 5 जी डाटा लोगों की बुनियादी जरूरत बन गया है। रिलायंस जियो उपभोक्ताओं को निर्बाध और बेहतर टेलीकॉम सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने नवनियुक्त चिकित्सकों को दिया नियुक्ति पत्र

रांची : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सोच स्वास्थ्य झारखंड सुखी झारखंड को पूरा करने का प्रयास स्वास्थ्य विभाग कर रहा है । आने वाले दिनों में झारखंड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफ़ी बदलाव देखने को मिलेगा । रिम्स में मरीजों के दबाव को कम करने के लिए बहुत जल्द ही 5 सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल की स्थापना करने जा रहे हैं । झारखंड में डॉक्टर्स की कमी को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है ,इसी क्रम में बुधवार को डॉक्टर्स को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है । इससे पहले भी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को भी नियुक्ति पत्र दिया गया था । जल्द ही स्वास्थ्य विभाग में 10 हज़ार से अधिक बहाली की जाएगी । रिटायर डॉक्टर्स से भी सेवायें ली जाएगी । वह बुधवार को नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नवनियुक्त विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी , चिकित्सा पदाधिकारी , दंत चिकत्सक और ओटी टेक्निशियन के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे ।इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त चिकत्सकों को बधाई दी साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री ने भी उन्हें शुभकामनाएँ दी है।

समाज को दिशा देने में चिकित्सकों की भूमिका महत्वपूर्ण

डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि नवनियुक्त चिकित्सकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है ।अब आप जानता के बीच जाकर अपनी सेवाएं देंगे । अपनी क्षमता से समाज को एक खूबसूरत दिशा देने का प्रयास करेंगे । आपकी पोस्टिंग विभिन्न अस्पतालों में होगी ,आपका प्रयास होना चाहिए कि मरीज़ों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिले। चिकित्सक मरीज़ों की जान बचाने का काम करते हैं इसलिए हमे उनका मनोबल भी बढ़ाने का काम करना होगा । उन्होंने कहा कि मैं आपके साथ हूँ हमलोग कदम से क़दम मिला कर चलेंगे और झारखंड को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत आगे तक लेकर जाएँगे ।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर को किया जा रहा है मजबूत

मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य को बहुत जल्द कई

टेक्नो होली रंगोत्सवः रंग, त्यौहार और शानदार जीत का दमदार जश्न

रांचीः होली सिर्फ रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि जश्न, अपनापन और खुशियों का मौका भी है। त्यौहार की खुशियों को दुगना करने के लिए टेक्नो ग्राहकों को शानदार इनाम जीतने का सुनहरा मौका दे रहा है। 7 मार्च से लेकर 31 मार्च, 2025 के बीच है और खास बात यह है कि 24 खुशकिस्मत विजेताओं को नया स्कूटर, गोल्ड वाउचर और लेटेस्ट टेक्नो स्मार्टफोन जीतने का मौका भी मिलेगा। लकी ड्रॉ का रिजल्ट 4 अप्रैल, 2025 को घोषित किया जाएगा, तो हो जाए तैयार जश्न के लिए।

होली का जश्न में टेक्नो अपने रिटेल पार्टनर्स के सहयोग और विश्वास की कद्र करता है। टेक्नो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी होली का रंग जमाए रखेगा, जहाँ ढेरों सरप्राइज़ेस और कॉन्टेस्ट की झलकियाँ मिलती रहेंगी। तो जुड़े रहिए और इस खास मौके को मिस न करें।

हास्य कवि सम्मेलन में जमकर लगे ठहाके

रांचीः कवि सम्मेलन आयोजन समिति, रांची के तत्वावधान में होली के पावन अवसर पर 12 मार्च 2025 को रात्रि 9 बजे से स्थानीय मारवाड़ी भवन, हरमु रोड, रांची मे अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ।

कवि सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक नारसरिया एवं मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने संयुक्त रूप से उद्घाटन अवसर पर कहा कि उत्साह एवं उमंग के पावन पर्व होली के अवसर पर 12 मार्च को आयोजित कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध हास्य कवि सुनील पॉल (लाफ्टर चैलेंजर), ठहाको के सरदार जानी बैरागी, हास्य व्यंग कवि रमेश मुस्कान, इटावा वीर रस के कवि गौरव चौहान, श्रृंगार रस की प्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती डॉ. भुवन मोहिनी, एवं हास्य-व्यंग्य के कवि शशिकांत यादव पधारे हैं। कवि सम्मेलन आयोजन समिति, रांची द्वारा विगत 10 वर्षो से यह आयोजन किया जा रहा है, यह 11 वा वर्ष निरंतर प्रवेश है। जिसमें हास्य रस, वीर रस, श्रृंगार रस, व्यंग कविता कवि-कवित्रि प्रस्तुत कर फगवा के मौसम में श्रोताओं को हंसी के ठहाके की बौछार के साथ-साथ तीखे बाण व्यंग्य का मधुर संगम से सरावोर करेंगे।

पूर्व अध्यक्ष ललित पोद्दार ने कहा कि कवि सम्मेलन आयोजन का उद्घाटनकर्ता प्रसिद्ध समाजसेवी राजेंद्र भुजानिया, मुख्य अतिथि रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं विशिष्ट अतिथि सहायक समिति के पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद अग्रवाल के कर कमलो से होना शोभाग्य की बात है।

प्रवक्ता एवं मंच सभागार व्यवस्थापक मनोज बजाज ने कहा कि इस कवि सम्मेलन आयोजन के मुख्य प्रायोजक मेसर्स बाबूलाल प्रेम कुमार, रांची को बनाया गया। फर्म के स्वामित्व श्री पंकज पोद्दार अपने पिताश्री के संस्कारी कदमों पर चलते हुए इस तरह के सांस्कृतिक, रचनात्मक व कलात्मक आयोजन को प्रमुखता से प्रोत्साहन प्रदान करते रहे हैं, समाज को आगे भी प्रदान देते रहेंगे।

कवि सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु विभिन्न समिति जिसमें- स्वागत सत्कार-पवन शर्मा वं विनोद जैन, अर्थ-व्यवस्था- ललित कुमार पोद्दार, मंच सभागार निर्माण व्यवस्था- मनोज बजाज व रतन मोर, सुरक्षा व्यवस्था- पवन पोद्दार एवं कमल जैन, सभागार अतिथ्य व्यवस्था- अनिल अग्रवाल, प्रशासनिक कार्य- किशोर मंत्री वं कमल जैन, अल्पाहार व्यवस्था- पवन पोद्दार तथा कार्यक्रम मीडिया प्रभारी - सुरेश चंद अग्रवाल व मनोज बजाज को दी गई।

कवि सम्मेलन मे पूर्णतया प्रवेश निःशुल्क है, लगभग 3000 श्रोताओं के बैठने की व्यवस्था रहेगी संग महिलाओं को बैठने के लिये विशेष व्यवस्था की गई। दर्शकों के लिए एलईडी भी मैदान में लगाए गये थे। हल्के जलपान की व्यवस्था भी की गई। आयोजन स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन के द्वारा विधि व्यवस्था प्रदान किया गया।

राज्यपाल संतोष गंगवार से राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष ने की मुलाकात

*रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष ए०पी० सिंह ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को सिंह ने 'झारखण्ड राज्य के पांचवे वित्त आयोग का प्रथम प्रतिवेदन' समर्पित किया।

जे0पी0एस0सी0 के अध्यक्ष एल0 खियांग्ते ने मुलाकात

रांची।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड लोक सेवा आयोग (जे०पी०एस०सी०) के अध्यक्ष एल० खियांग्ते ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

मांगपत्र सौंपकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का गेस्ट फैकल्टी शिक्षकों के हित में सहयोग मांगा

रांची विश्वविद्यालय नेट उत्तीर्ण कक्षा आधारित शिक्षक (गेस्ट फैकल्टी) का प्रतिनिधिमंडल ने एनएसयूआइ प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद को अपना पूरा 50 पन्ना का दस्तावेज सहित मांगपत्र सौंपकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का गेस्ट फैकल्टी शिक्षकों के हित में सहयोग मांगा और संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि हमे पूर्ण उम्मीद है छात्रहित के लिए एनएसयूआई गेस्ट फैकल्टी शिक्षकों के साथ खड़ी रहेगी और हम लोगों का सहयोग करेगी । एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने कहा कि छात्रहित के मामलों को एनएसयूआइ प्राथमिकता के साथ सदैव तात्पर्य उठाती रही है, निश्चित तौर पर जब कॉलेजो में शिक्षक होंगे तभी पाठन पाठ प्रक्रिया सुचारू रूप से चलेगा । अमन अहमद ने गेस्ट फैकल्टी संघ को आश्वस्त किया कि हम मामले की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने बाद इस मामलों को गंभीरतापूर्वक राज्य सरकार एवं विवि प्रशासन के समक्ष रखेंगे एवं छात्रहित, शिक्षकहित में राज्य सरकार द्वारा उचित निर्णय लिया जाएगा ।

इस संदर्भ मे गेस्ट फैकल्टी संघ ने एनएसयूआई का ध्यान आकर्षित कराया है : 1. दिनांक 14 /10 /2024 झारखंड सरकार के कैबिनेट में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या 1609 दिनांक 14/10 /24 को पारित कराया गया जिसमें रांची विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि शिक्षकों का आवश्यकता आधारित शिक्षक के रूप में समायोजन की बात वर्णित है परंतु इसका प्रावधान ऐसा भ्रमित बनाया गया की समायोजन की जगह इन अतिथि शिक्षकों का निष्कासन का प्रस्ताव पारित करा लिया गया ।

2. वहीं इसी कैबिनेट के द्वारा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग झारखंड सरकार के संकल्प 1755 दिनांक 9/10/ 2015 को भी समाप्त कर दिया गया जिस संकल्प के द्वारा इन अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी जिसके कारण वर्तमान में इन अतिथि शिक्षकों का आधार ही समाप्त माना जा रहा है ।

3. उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के संकल्प 1609 दिनांक 14/10/ 2024 में ऐसा प्रावधान बनाया गया कि हम अतिथि शिक्षकों को फिर से नई नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होना होगा तभी हमें आवश्यकता आधारित शिक्षक माना जाएगा।। जबकि वर्तमान में इस नियुक्ति प्रक्रिया को भी रोक दिया गया है। तो प्रश्न यह है कि हमारा समायोजन कहां हो रहा है.??

4. राज्य सरकार के निर्देशन द्वारा ही हमारी नियुक्ति विभिन्न विज्ञापनों के तहत् नियम संगत तरीके से हुई है ।

फूड सेफ्टी ऑफिसर ने मीट दुकानों का किया निरीक्षण

बोकारो। उपयुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार बुधवार को फूड सेफ्टी ऑफिसरडॉ.श्वेतालकड़ानेशहरकेविभिन्नमीटदुकानोंकाऔचकनिरीक्षणकिया। उन्होंने होली पर्व को लेकर मीट की बढ़ी मांग को देखते हुए दुकानों की साफ - सफाई एवं हाइजेनिक तरीके से दुकानों का संचालन का निर्देश दिया। फूड सेफ्टी ऑफिसर एवं उनकी टीम ने सेक्टर 12, सेक्टर 4, सेक्टर 9, दुंडीबाग बाजार, बारी-कोऑपरेटिव एवं ऋतुडीह क्षेत्र अंतर्गत संचालित दर्जनों मीट दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान दुकान संचालकों को विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी मार्ग- दर्शन का अनुपालन शत - प्रतिशत करने का निर्देश दिया।

सोख्ता का निर्माण अवश्य कराएं

झंझारपुर प्रखंड के बरसाम पंचायत में बुधवार को विकास शिविर का आयोजन किया गया। पंचायत सरकार भवन परिसर में आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए बीडीओ विशाल आनंद ने केंद्र एवं राज्य सरकार के योजनाओं की जानकारी आमलोगों को दिया। बीडीओ ने कहा कि अब सभी पंचायतों में आरटीपीएस काउंटर चालू करवाए जा रहे हैं। जहां सभी तरह के प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएंगे। अन्य आवेदन भी ऑनलाइन किए जाएंगे। इसके लिए अब लोगों को प्रखंड कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि कचरा इधर-उधर फेंक देने से नाना प्रकार की बिमारियां फैलती है। वार्डों में स्वच्छता मित्र नियुक्त किए गए हैं। घर का कचरा संग्रहण कर उन्हें नियमित रूप से दिया करें। इसके बदले तीस रुपए मासिक भुगतान करना है। दिन प्रतिदिन घटती जा रही भूजल स्तर पर चर्चा करते हुए बीडीओ ने सक्षम परिवारों से आह्वान किया कि वे अपने चापाकल के पास और परिसर में वर्षा जल के लिए सोख्ता का निर्माण अवश्य कराएं। पानी का संचय और जलस्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन पर उन्होंने जोर दिया। घरों में सौर ऊर्जा से बिजली जलाने हेतु प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन आवेदन करने का आह्वान बीडीओ ने आमलोगों से किया। कहा कि इस योजना पर केंद्र सरकार अनुदान दे रही है। वहीं सीओ नितीश कुमार ने बेरोजगारी भत्ता, सामाजिक सुरक्षा, आयुष्मान कार्ड के उपयोग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। शिविर में पीएम आवास योजना, नल जल योजना, आंगनबाड़ी, मनरेगा, आपूर्ति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के काउंटरों पर लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं।

होली को लेकर केन्द्रीय शांति समिति की बैठक

आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील

रंगों के त्योहार होली को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। रांची समाहरणालय ब्लॉक-बी स्थित कमरा संख्या-505 में आयोजित बैठक में डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची श्री चंदन सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं बुण्डू, पुलिस अधीक्षक यातायात, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था), जिला नजारत उप समाहर्त्ता संबंधित पुलिस पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली का पर्व मनाने की बात कही गयी।

बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने रमजान के दौरान होलिका दहन एवं सांप्रदायिक सौहार्द के साथ होली मनाने की बात कही। समिति के सदस्यों द्वारा आपराधिक प्रवृति के लोगों पर कार्रवाई करने, रैश ड्राइविंग पर लगाम लगाने सहित कई बातें रखी गयी। उक्त बिन्दुओं पर शांति समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से सुझाव भी दिये।

जिला प्रशासन सतर्क, सोशल मीडिया पर पैनी नजर

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि होली को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। शांति समिति के सदस्यों को विधि व्यवस्था से संबंधित कोई भी जानकारी मिलती है तो इसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले मैसेज फारवर्ड न करें, साइबर सेल द्वारा सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने रांचीवासियों से अफवाहों से भी बचने की अपील की। इसके अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा होली के दौरान पानी, बिजली, साफ-सफाई एवं आवश्यक स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने की भी बात कही।

शांति समिति की सहयोग की सराहना

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों के सुझावों को नोट किया गया है, होली में जिला प्रशाासन का बेहतर से बेहतर व्यवस्था देने का प्रयास होगा। उन्होंने शांति समिति के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से दुर्गा पूजा में सभी का सहयोग मिलाा उसी तरह होली एवं रमजान के साथ आने वाले त्योहार रांचीवासी एवं समिति के सहयोग से शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होंगे।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने किया तालाब जीर्णोद्धार व गहरीकरण कार्य का शिलान्यास

चान्हो : प्रखंड क्षेत्र के तरंगा गांव में बुधवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा तालाब का जीर्णोद्धार व गहरीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने नारियल फोड़कर व शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया। इस दौरान बंधु तिर्की ने कहा कि इस तालाब का जीर्णोद्धार व गहरीकरण होने से आसपास क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। साथ ही यहां के किसानों को खेतों में सिंचाई करने में भी काफी सुविधा होगी। आगे कहा कि साथ ही सरकारी और निजी पुराने तालाबों का भी जीर्णोद्धार व गहरीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा विभाग द्वारा छोटी-बड़ी कई सिंचाई योजनाओं को भी धरातल पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले समय में क्षेत्र के हर किसानों की खेत में सिंचाई के लिए बिजली व पानी पहुंचाया जाएगा। मौके पर तरंग अंजुमन कमेटी के सदर जावेद खान पंचायत समिति सह दबंग हिंद पत्रकार तबरेज खान, मोहसिन खान, वार्ड सदस्य ज्ञान खान, पंचायत प्रतिनिधि रामचन्द्र मुंडा, अफरोज अंसारी, इस्तेयक अंसारी, इदरीस अंसारी, नौसद मियां समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

धरना पर बैठे दिव्यांगों ने धरना स्थल पर ही मनाया होली मिलन समारोह

रांची। बुधवार, झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ के दिव्यांग सदस्यों ने अनिश्चिच कालीन धरने के क्रम मे, राज भवन जाकिर हुसैन पार्क के बगल मे दिव्यांगजनों ने होली मिलन समारोह मना कर, सभी को संदेश दिया,दिव्यांगजनों ने कहा दिव्यांगजन जागरूक भी हैं, अपने अधिकारों के लिए लड़ना भी जानते है, अधिकारों के लिए हर सम्भव प्रयास करना भी जानते है, आज मईया को सम्मान मिल रहा है, वही दूसरे तरफ कुछ दिव्यांग अपने अधिकारों के लिए 220 दिनों से धरना पर है, सभी त्यौहार पर धरने पर बैठे है,एक तरफ सम्मान दूसरे तरफ दिव्यांग का अपमान, मईया के खाते मे 7500 रुपए आए पर लाचार मजबूर असहाय ग़रीब, दिव्यांग वृद्धा विधवा की सुध लेने वाला कोई नहीं जिनका पेंशन 5 महीने से नहीं आया,सभी दिव्यांगों ने एक दूसरे को गुलाल लगा कर,धरना पर ही दिव्यांग होली मिलन समारोह मनाया, और होली भी धरना स्थल रांची राज भवन के समक्ष ही मनाएंगे। इस कार्यक्रम में सम्मिलित सदस्य, प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश चौहान, कोषाध्यक्ष जिन्हां महतो, संजय कुशवाहा, रीना कुमारी महतो, साजिदा खातून, मुकेश कंचन, शमशेर आलम राही, जाहिद, भगन ठाकुर, एहतेशाम परवीन, सरदार मियां, राजू कुमार, विद्यानंद चौहान, गुरफान खान, अन्य शामिल थे।

"अतिक्रमण हटाओ, मरांग बुरू बचाओ" विशाल जन आक्रोश रैली प्रदर्शन

गिरिडीहः- आज दिनाँक 12 मार्च 2025 को हम आदिवासी, मूलवासी, दलित वंचित समाज के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक जन संगठन के द्वारा मरांग बुरू (पारसनाथ पर्वत) मधुबन, गिरिडीह फुटबॉल मैदान में "अतिक्रमण हटाओ, मरांग बुरू बचाओ" विशाल जन आक्रोश रैली प्रदर्शन प्रतियाद मार्च के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया के समक्ष निम्न माँगे प्रस्तुत करते हैं।

महामहिम राष्ट्रपति महोदया हम आदिवासियों के संविधानिक अधिकारों के रक्षा के आप संरक्षक है। आदिवासी, मूलवासी एवं दलित उपेक्षित वंचित समाज आपसे प्रार्थना करती है कि आदिवासियों जायज माँगों पर उचित पहल करते हुए कार्रवाई किया जाए।

हमारी मुख्य माँगेः- 01) मरांग बुरू (पारसनाथ पर्वत) पीरटांड, गिरिडीह संथाल आदिवासियों का देव स्थल है। मरांग बुरु को ईश्वर के रूप में सृष्टिकाल से युगों-युगों से पूजा करते आ रहें हैं।

प्रत्येक साल वसंत ऋतु फागुन महीना के शुल्क पक्ष तृतीय को दिशोम बाहा महोत्सव मनाया जाता है। पहाड़ के चोटी में अवस्थित युग जाहेर थान में बलि प्रथा का प्रचलन है।

पर्वत के तलहटी में दिशोम माँझी थान अवस्थित है। जहाँ पर मरांग बुरू, जाहेर आयो, मोडेको, गोसाई बाबा एवं माँझी हडाम ग्राम देवता की पूजा-अर्चना बोंगा बुरू होता है।

प्रत्येक साल वैशाख पूर्णिमा में तीन दिवसीय धार्मिक शिकार सेन्दरा एवं लों-बीर वैसी का आयोजन होता है।

धार्मिक शिकार सेन्दरा में वन्य प्राणियों की शिकार करने की पराम्परा रही है। माँझी परगना आपसी वाद विवाद लों-बीर बैसी में समाधान करने का सर्वोच्च मंच है।

बिहार राज्य जिला गजट एवं 1911 में तैयार सर्वे खतियान भूमि अधिकार अभिलेख में उक्त रीवाज का स्पष्ट उल्लेख है।

ब्रिटिश हुकूमत के समय जैन समुदाय के द्वारा दावे संबंधित एक याद आयुक्त के न्यायालय में दाखिल किया गया था। जैनियों का दावा खारिज कर दिया गया था। उसके बाद जैन समुदाय ने पटना उच्च न्यायालय में वर्ष 1917 में अपील दायर किया, वह भी खारिज हो गया। उसके बाद प्रीवी कॉउन्सील में अपील किये। प्रीची कॉउन्सील ने न्याय आदेश दिया कि मरांग बुरू (पारसनाथ पर्वत) पर संथाल आदिवासियों का Customary right प्रथागत अधिकार है। मरांग बुरू (पारसनाथ पर्वत) में शिकार करना संथालों का पराम्परागत अधिकार है।

एसडीओ चास के नेतृत्व में टीम ने मेडिकल दुकान का किया निरीक्षण

बोकारो। विभिन्न श्रोतों से प्राप्त हो रही शिकायतों को लेकर उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा के नेतृत्व में जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) आदि ने चास शहर के कोठारी मार्केट स्थित न्यू आर. के. मेडिकल का औचक निरीक्षक किया।

इस दौरान दुकान परिसर के समीप कोडिन युक्त कफ सिरप (Onerex, Wincesex, Blurex etc.) की खाली बोतल फेंकी पाई गई। *अनुमंडल पदाधिकारी चास ने बताया कि उक्त सभी कफ सिरप प्रेसक्रिप्सन (पर्ची) ड्रग्स हैं। इन दवाओं को खरीदने के लिए चिकित्सक का पर्ची होना आवश्यक है। प्रतिष्ठान को उक्त दवा का क्रय - विक्रय अभिलेख का संधारण करना जरूरी होता है।

लेकिन, संबंधित मेडिकल दुकान द्वारा इसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मामले में औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) को नियम के तहत कार्रवाई के लिए जरूरी दिशा – निर्देश दिया। कहा कि इन दवाओं का खासकर युवा वर्ग/बच्चों द्वारा नशा के लिए सेवन कर दुरूपयोग किया जाता है। किसी मेडिकल दुकान के समीप भारी मात्रा में इन दवाओं का खाली बोतल फेंका जाना। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतित होता है कि उक्त दवा को नशे के रूप में दुरुपयोग कर यहां खाली बोतल को फेंका गया है। टीम ने मौके से 70 से ज्यादा ऐसी दवा की बोतल आस – पास से एकत्र किया। अनुमंडल पदाधिकारी चास ने औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) को संबंधित कम्पनी एवं आस-पास के दवा दुकानों की भी जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने निरीक्षण से संबंधित एक प्रतिवेदन उपायुक्त को समर्पित करने की बात कहीं।

विधि व्यवस्था को लेकर उपायुक्त, एसएसपी ने जिले में किया फ्लैग मार्च

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा तथा वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने बुधवार की संध्या प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ जिले में फ्लैग मार्च किया।

इसकी शुरुआत समाहरणालय से की गई। समाहरणालय से टीम बरवाअड्डा, गोविंदपुर पहुंची। इसके बाद साहिबगंज रोड से गोविंदपुर, सरायढेला, स्टील गेट, आईआईटी आईएसएम, रणधीर वर्मा चौक, नया बाजार, बैंक मोड़ से धनसार पहुंची।

धनसार में पदाधिकारियों ने पैदल मार्च कर लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। इसके बाद भगतडीह, कतरास मोड़, थाना मोड़ झरिया, ऊपर कुल्ही, इंदिरा चौक, कतरास मोड़ होते हुए सिमला बहाल, अलकुशा, केंदुआ बाजार, कुसुण्डा, करकेंद, एकड़ा, लोयाबाद, अंगारपथरा से कतरास थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया।

कतरास के पचगढी बाजार, थाना मोड़, रानी बाजार, स्वस्तिक टॉकिज चौक, सिनेमा रोड, छाताबाद में भी फ्लैग मार्च किया। यहां से पदाधिकारियों ने राजगंज और तोपचांची में फ्लैग मार्च किया।

इस दौरान पदाधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने तथा जिला स्तरीय शांति समिति में जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की अपील की। फ्लैग मार्च में सिटी एसपी अजीत कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएसपी मुख्यालय 1 शंकर कामती, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द कुमार सिंह, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार, साइबर डीएसपी संजीव कुमार सहित संबंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी मौजूद थे।

13 मार्च को दोपहर 2:00 बजे से 16 मार्च की सुबह 6 बजे तक कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

होली को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) श्री पीयूष सिन्हा ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी ज़ोन में बांटा है।

सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही सभी थाना क्षेत्र में पुलिस का मोटरसाइकिल दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा।

होली के अवसर पर 13 मार्च को दोपहर 2:00 बजे से 16 मार्च की सुबह 6 बजे तक जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। अनुमंडल पदाधिकारी श्री राजेश कुमार जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। जबकि डीएसपी सीसीआर श्री सुमित कुमार पुलिस पदाधिकारी के वरीय प्रभार में रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 0326 - 2311217, 0326 - 2311807 एवं 112 है।

होली के अवसर पर मादक पदार्थ एवं शराब की अवैध बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए सभी उत्पाद निरीक्षक तथा अवर उत्पाद निरीक्षक कंट्रोल रूम में मौजूद रहेंगे। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर कंट्रोल रूम से दंडाधिकारी एवं पुलिस के साथ संबंधित स्थल पर पहुंचकर कार्रवाई करेंगे।

सभी थाना व ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी

धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धर्माबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी के लिए पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। वहीं धनबाद थाना, बैंक मोड़, सरायढेला, झरिया, निरसा, गोविंदपुर, टुंडी, बाघमारा, कतरास सहित 45 थाना क्षेत्र में विशेष निगरानी रखी जाएगी।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को माननीय विधायक ने किया सम्मानित

बोकारो। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय – राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले जिले के दो खिलाड़ियों जिन्होंने राज्य व जिले का मान अंतर्राष्ट्रीय पटल पर बढ़ाया है को समाहरणालय में माननीय विधायक बेरमो सह जिला एथलेटिक्स संघ बोकारो के अध्यक्ष श्री जय मंगल सिंह ने साल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस क्रम में उपायुक्त विजया जाधव एवं पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी ने फुलों का गुलदस्ता देकर दोनों खिलाड़ियों क्रमशः गोल्डी मिश्रा एवं मो. साजिद को जीत की बधाई दी एवं आगे के लिए शुभकामनाएं दी।

जानकारी हो कि, चंदनकियारी आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के गोल्डी मिश्रा ने तिरंदाजी में एशिया कप स्टेज – 1 बैंककाक, थाइलैंड 2025 में स्वर्ण पदक अर्जित किया है। वहीं, बिहार राज्य के पटना में 20 वी. राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रशिक्षण केंद्र के मो. साजिद ने 110मी हर्डल्स में रजत पदक अर्जित कर परचम लहराया है। इस मौके पर राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के कमांडेंट मुकेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन समेत अन्य उपस्थित थे।

रांची लूटपाट के दौरान अपराधियों ने माँ-बेटी को मारकर घायल कर दिया था... इलाज के क्रम में महिला की मौत, बेटी इलाजरत

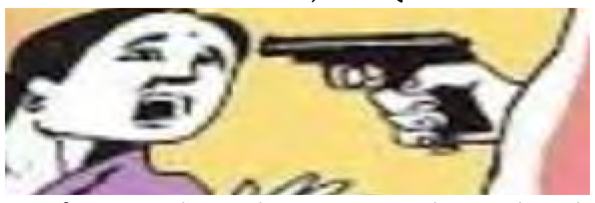

रांची : टाटीसिलवे थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू साके टोली स्थित घर में लूटपाट के दौरान अपराधियों के द्वारा मारपीट में घायल 58 वर्षीय रेणुका सिन्हा का इलाज़ के क्रम में मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। वह सेवानिवृत्त प्रभात कुमार सिन्हा की पत्नी थी। वहीं मारपीट में घायल मृतिका की बेटी का इलाज चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार 28 फरवरी की रात रेणुका सिन्हा अपनी 26 वर्षीय बेटी के साथ सो रही थी। रात में तीन की संख्या में आएं अपराधी ताला तोड़कर उनके घर में घुस गए। तीनों ने घर में रखें गहने एवं मोबाइल लूट लिया। महिला एवं उनकी बेटी ने इसका विरोध किया तो तीनों ने मिलकर मौ बेटी के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को रिम्स में भर्ती कराया। परिजन बेहतर इलाज के लिए राज अस्पताल ले गए। जहां इलाज़ के क्रम में महिला की मौत हो गई। मामले में बेटी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत हैं।

साधु समेत दो की हत्या के मुख्य आरोपी ने पुलिस से पिस्टल छीनने का किया

चान्हो : चान्हो थाना में स्थित आनंद मार्ग में छह मार्च की रात लूटपाट करने पहुंचे अपराधियों ने साधु मुकेश साह और राजेंद्र यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के मुख्य अभियुक्त मो. प्रिंस को रांची पुलिस ने मंगलवार की रात बीआईटी थाना क्षेत्र से पकड़ा। उसकी निशानदेही ही पर पुलिस हत्या में प्रयुक्त हथियार का खोजबीन कर रही थी, इसी दौरान प्रिंस पुलिस की अभिरक्षा से भगाने के उद्देश्य से हथकड़ी पकड़े सिपाही को धक्का देकर चान्हो थाना प्रभारी का पिस्टल छिनने का प्रयास किया bइस दौरान पिस्टल से गोली चलने से अपराधी प्रिंस के पैर में गोली लगी। जिसके बाद पुलिस की टीम के द्वारा उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया है। उल्लेखनीय है कि इस घटना में शामिल चार अपराधियों को पुलिस ने सात मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं एक अपराधी ने बीते 10 मार्च को पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया था। सभी अपराधियों ने पातकोई जंगल में बैठकर आश्रम में लूटपाट करने की योजना बनाई थी, इसके बाद सभी आश्रम पहुंचे। इसके बाद अपराधियों ने साधु मुकेश साह और राजेंद्र यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। राजेंद्र को तीन गोली मारी गई है। जबकि मुकेश को एक गोली मारी गई है। राजेंद्र यादव कुछ दिनों से आश्रम में साधु मुकेश साह के साथ ही रहता था। घटना के वक्त दोनों मृतक आश्रम की दूसरी मंजिल में साथ में थे।

अब मयंक सिंह और राहुल सिंह चलाएंगे अमन साव का गैंग, फेसबुक पर पोस्ट कर बताया

गैंगस्टर अमन साव के एनकाउंटर के बाद उसके गैंग के नए लीडर का नाम सामने आया है। अब अमन साव गैंग को उनके गुर्गे मयंक सिंह और राहुल सिंह द्वारा चलाया जाएगा । मयंक सिंह ने फेसबुक पोस्ट के जरिए यह बताया है। उसने अपने पोस्ट में साफ-साफ लिखा है कि BOSS को फर्जी एनकाउंटर में मारा गया है। मयंक सिंह ने लिखा है कि गैंग का संचालन अब मेरे(#MAYANK_SINGH) एवं #(RAHUL SINGH) के द्वारा किया जाऐगा। गैंग से जुड़े सभी लोगों एवं -BOSS #AMAN_SAHU_jee से व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए सभी लोगों को ये बताना चाहता हूं कि आपलोग को किसी प्रकार की चिंता नहीं करनी है, #BOSS अब हमारे बीच नहीं रहे हैं, मगर उनके #AMAN_SAHU_jee #BOSS का साथ हमेशा हमलोगों के साथ एवं ऊपर सदैव के लिए जरूर बना रहेगा।

होली मिलन समारोह का आयोजन

लदनियां प्रखंड क्षेत्र के खाजेडीह आदर्श शिक्षन संस्थान स्कूल के मैदान में समाज सेवी कल्पना सिंह के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस मिलान समारोह में उपस्थित अपार जन समूह ने एक दूसरे को गुलाल लगाया। इसके बाद जमाकर सभी को मिठाइयां खिलाई। समारोह में मंच से सुप्रशिद्ध मैथली लोक गायक विकाश झा मंडली के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम में अपने गायन कौशल से होली के गीतों पर झूम उठे जनसमुह उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम हर गरीब व जरूरतमंद लोगों के आवश्यकता के अनुसार उनके सुख-दुख में शामिल होकर जनसेवा करते है।

होम गार्ड जवानों को मानदेय के हिसाब से मिले दैनिक भत्ता

सीतामढ़ी नगर भाजपा विधायक डा मिथिलेश कुमार ने बिहार विधान सभा में बिहार गृहरक्षा वाहिनी में कार्यरत कर्मियों को अन्य सरकारी कर्मियों की तरह मानदेय के हिसाब से दैनिक भत्ता व अन्य सरकारी सुविधा उपलब्ध कराने का मुद्दा उठाया। विधायक ने कहा कि बिहार गृह रक्षा वाहिनी कर्मियों को मानदेय का भुगतान किया जा रहा है। लेकिन अन्य सरकारी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इसके कारण इन्हें परिवार का भरण पोषण करने में कठिनाई हो रही है। जबकि बिहार गृह रक्षा वाहिनी कर्मी सरकारी सभी कार्यों में वेतन भोगी कर्मियों की तरह ही सहयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में बिहार गृह रक्षा वाहिनी कर्मियों को मानदेय के हिसाब से दैनिक भत्ता एवं अन्य सुविधा मुहैया करने का सरकार से सदन के माध्यम से मांग करता हूं।

पंचायत के हर बच्चे को स्कूल भेजने का मुखिया लें संकल्प

पंचायत के हर बच्चे को स्कूल भेजने का हर मुखिया संकल्प लें। इसमें सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाएं। मनुष्य के विकास और सफलता में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बातें उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने बुधवार को न्यू टाउन हॉल में झारखंड शिक्षा परियोजना, धनबाद द्वारा आयोजित जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन में कही।

उन्होंने कहा कि बच्चों को शुरू से अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए। इसके लिए मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता आवश्यक है। मुखिया को हर महीने विद्यालयों का भ्रमण करना चाहिए। वहां जो भी कमी है उसे दूर करनी चाहिए। ड्रॉप आउट बच्चों को विद्यालय में वापस लाने के लिए उनके माता-पिता से मिलकर पहल करनी चाहिए। पंचायत के बच्चे शिक्षित होंगे तो पंचायत भी आगे बढ़ेगी। सरकार की जनप्रतिनिधियों से यही अपेक्षा है।

इस अवसर पर जिला परिषद की माननीय अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को समय-समय पर विद्यालय में जाना चाहिए। बच्चों की उपस्थिति की जांच करनी चाहिए। सरकार बच्चों को शिक्षित करने के लिए सारी सुविधाएं दे रही है। उन्होंने कहा कि आठवीं के बाद गांव की बच्चियां स्कूल नहीं जाती है।

मुखिया को ऐसी बच्चियों के माता पिता से मिलकर समस्या जाननी चाहिए और उसका समाधान करना चाहिए।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इससे शिक्षा का विकास संभव है। मध्यान भोजन के साथ त्योहारों के दौरान तिथि भोजन की व्यवस्था करने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक श्री आयुष कुमार ने नव साक्षरता कार्यक्रम, जन चेतना केंद्र सहित अन्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विभिन्न पंचायत के मुखिया को मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त, जिला परिषद की माननीय अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके किया।

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह के अलावा कलियासोल, गोविंदपुर, निरसा, एगारकुंड, बाघमारा, पूर्वी टुंडी, धनबाद एवं टुंडी के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सहित विभिन्न पंचायत के मुखिया मौजूद थे।

अमन साहू गिरोह के कल्लू बंगाली समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार

रांची : रांची पुलिस ने अमन साहू गिरोह के कल्लू बंगाली उर्फ समीर बागची समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कल्लू बंगाली, अजय सिंह और वसीम अंसारी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक पिस्टल, दो देसी कट्टा, चार जिंदा गोली और बाइक बरामद हुए हैं।

गौरतलब है कि बीते सात मार्च को अमन साहू गैंग ने व्यवसायी विपिन मिश्रा पर फायरिंग की थी। जिसके बाद रांची पुलिस ने अलग-अलग टीम गठित कर संगठित अपराधियों के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चला रही थी। इसी दौरान अमन साहू गैंग के तीन सदस्यों को पकड़ा गया है। पकड़ाये सभी अपराधियों का पूर्व अपराधिक इतिहास रहा है।

एनकाउंटर में मारा गया अमन साहू

रायपुर से गैंगस्टर अमन साहू को रांची के होटवार जेल ले जा रही थी। इसी दौरान पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारी ढोढा के पास 11 मार्च की सुबह कुछ अपराधियों ने गाड़ी पर हमला किया और अमन साहू को छुड़ाने की कोशिश की। इस दौरान अमन साहू मारा गया। एफआईआर के अनुसार, एटीएस को 38 राउंड गोलियां चलानी पड़ीं। इस दौरान उनका एक जवान भी घायल हो गया।

अमन साहू को होटवार जेल शिफ्ट करने का मिला था आदेश

एटीएस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने एफआईआर में बताया कि अभियुक्त अमन साहू को होटवार जेल शिफ्ट करने का आदेश मिला था। इसी क्रम में 9 मार्च को सुबह 11:00 बजे एटीएस की टीम रांची के धुर्वा कैंप से रायपुर के लिए रवाना हुई। 10 मार्च को रात 8:30 बजे रायपुर सेंट्रल जेल से अमन साहू को एटीएस को सौंपा गया। अमन साहू को स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठाया गया था और दो गाड़ियां आगे-पीछे स्कॉट कर रही थीं। पूरी टीम रायपुर, अंबिकापुर, रामानुजगंज और रमकंडा होते हुए रांची आ रही थी। जब 11 मार्च को एटीएस की टीम पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारी ढोढा के पास पहुंची, तो 6-7 अज्ञात अपराधियों ने पूर्व दिशा की तरफ से उनकी गाड़ी पर बम से हमला किया। इस दौरान अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी भी की। हमलावरों का इरादा हथियार छीनने और सभी की जान लेने का था। इस बीच जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की।

लड़कियों को सकुशल बरामदगी की गई

*गोड्डा । सूचना प्राप्त हुई कि तीन नाबालिग लड़कियों को आन्ध्रप्रदेश के कुछ लोगों के द्वारा गाड़ी में जबरन बैठाकर राज्य से बाहर ले जाया जा रहा है। उक्त सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक, गोड्डा के निर्देशानुसार छापामारी दल का गठन कर स्थानीय एन०जी०ओ० के सहयोग से सुन्दरपहाड़ी थाना अन्तर्गत एक सफेद रंग का महिन्द्रा 300 XUV गाड़ी में दो अभियुक्तों द्वारा तीन नाबालिक लड़कियों को ले जाने के क्रम में तीनों लड़कियों को सकुशल बरामदगी की गई है तथा तीनों अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया है। इस आशय के आधार पर AHTU थाना कांड सं0-01/26, दिनांक-11-03-2025, धारा-143 (1), 143 (5), 61(2) बी०एन०एस० दर्ज किया है। गिरफ्तार अभियुक्त *1. शेख मुर्तजा, उम्र 65 वर्ष, पिता स्व० मसनात साहेब, सा०-2-5-23/3 नरसारावपेट, 2. पोपुरी वेक्टेशवा राय, उम्र-63 वर्ष, पे०-स्व० कृष्ण मुर्ति, सा0-11-2-3/15 नवोदयानगर, दोनों थाना-गुटुर, जिला-गुगटुरु. आंध्रप्रदेश, 3. आगेस्टिन सोरेन, सा०-बड़ा कालाजोर, थाना-सुन्दरपहाड़ी, जिला-गोड्डा को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।*

पलामू के मैदान में Riot Control Mock Drill का आयोजन किया

पलामू।आगामी होली पर्व, रामनवमी एवं अन्य आयोजनों के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दिनांक 12 मार्च 2025 (बुधवार) को पुलिस केंद्र, पलामू के मैदान में Riot Control Mock Drill का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में पुलिस हस्तक नियम-621 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-148, 149 के तहत विधि विरुद्ध जमाव, दंगा, बलवा जैसी स्थितियों से निपटने की रणनीति तैयार की गई। दंगारोधी उपकरणों के साथ Water Cannon Truck, Riot Control Vehicle, Ambulance, TG Gun, Smoke Cell, Chilli Grenade आदि के प्रयोग का भी अभ्यास किया गया।

पलामू पुलिस आम नागरिकों से होली, रामनवमी एवं अन्य आयोजनों के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील करती है।

अभ्यास में शामिल सदस्यः
1. पुलिस उपाधीक्षक (परी.) राजीव रंजन।
2. पुलिस उपाधीक्षक (परी.) राजेश यादव।
3. परिचारी विमल कुमार चंद्रवंशी।
4. परिचारी मैरी खलखो।
5. अ.नि.स नागेन्द्र चौधरी, IRB-10, पलामू।
6. पुलिस केंद्र, पलामू के जवान।

मासिक अपराध गोष्ठी समीक्षा बैठक का आयोजन

कोडरमा। अनुदीप सिंह, भा०पु०से०, पुलिस अधीक्षक, कोडरमा की अध्यक्षता में आज दिनांक 12.03.2025 को मासिक अपराध गोष्ठी समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें फरवरी माह में किये गए कार्यों की समीक्षा के उपरांत सभी थाना/ओ०पी०/प्रभारी/संबंधित शाखा प्रभारी को निम्नांकित आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गयाः-

1. विगत दो माह में थाना प्रभारियों द्वारा किए गए कार्य (विधि व्यवस्था/अपराध नियंत्रण/कांड का निष्पादन/वारंट/कुर्की का निष्पादन) इत्यादि कार्यों की समीक्षा की गई।
2. सभी लंबित कांडो के समीक्षोप्रांत उक्त कांडों में लंबित सभी कार्रवाई पूर्ण कर कांडो का निष्पादन करने का आदेश दिया गया।
3. माह फरवरी 2025 में प्रतिवेदित सभी कांडो का विस्तृत समीक्षोप्रांत लंबित कांडो का त्वरित निष्पादन करते हुए अंतिम प्रपत्र समर्पित करने का निर्देश दिया गया
4. सभी पुलिस उपाधीक्षक / पुलिस निरीक्षक प्रभाग को लंबित सभी पर्वेक्षण प्रतिवेदन एक सप्ताह के अंदर समर्पित करने का निर्देश दिया गया।
5. अवैध कोयला / बालु / पत्थर का उत्खनन / परिवहन / भंडारण पर पूर्णतः रोक लगाने हेतु सभी थाना प्रभारी /पुलिस निरीक्षक प्रभार / अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया।
6. थाना क्षेत्र के उपद्रवियों / आदतन शरारती तत्वों / सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध विधिवत कारवाई करने का निर्देश दिया गया।
7. वाहन चोरी जैसे घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु नियमित रूप से anti crime checking करने एवं बैंक/एटीएम/ज्वैलरी शॉप जैसे स्थानों के आस पास पेट्रोलिंग पार्टी को मुस्तैदी के साथ भ्रमणशील रहने हेतु निर्देशित किया गया
8. सभी थाना प्रभारी को अपने स्तर से विशेष अभियान चलाकर लंबित वारंट/कुर्की का निष्पादन करने का आदेश दिया

साईबर अपराधियों के विरूद्ध छापामारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक महोदय को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पु०नि०. देवेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्त्व में अन्य पुलिसकर्मियों को शामिल करते हुए नारायणपुर थानान्तर्गत ग्राम केन्दुआटॉड़ स्थित बाँस बट्टी के पास साईबर अपराधियों के विरूद्ध छापामारी कर साईबर अपराध कारित करते हुए साईबर अपराधकर्मी :-

(1) समीग अंसारी, उम्र 25 वर्ष, पिता चिराउद्दीन मियाँ

(2) मो० सनसुल, उम्र 24 वर्ष, पिता मरहूम इस्लाम मियाँ दोनों ग्राम सतुआटौड़

(3) बिधुत कुमार मंडल, उम्र 27 वर्ष, पिता श्यामसुन्दर मंडल ग्राम हेठ-करमाटाँड़ तीनों थाना करमाटाँड़

(4) अब्दुल कलाम, उम्र 19 वर्ष, पिता खुर्शीद अंसारी

(5) तबारक अंसारी, उम्र 23 वर्ष, पिता सलीम मियाँ दोनों ग्राम तारासेठिया, थाना नारायणपुर सभी जिला जामताड़ा को फर्जी मोबाईल, सिम, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड के साथ पकड़ा गया।

इस संबंध में इनके विरूद्ध जामताड़ा साईबर अपराध थाना काड सख्या 22/25, दिनांक 12.03.2025, धारा 111(2)(i)/317(2)/318(4)/319(2)/336(3)/338/340(2)/3(5) B.N.S 2023 866(B)(C)(D) IT.ACT. के अंतर्गत कांड दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त की संख्याः- 05

बरामदकियेगयेसामानोंकीविवरणीः-

(1) मोबाइल - 16

(2)मोबाइल सिम-20

(3) आधार कार्ड -01

(4) पैन कार्ड -01

(5) वोटर कार्ड -01

गुमला में कुएं में डूबने से 2 लोगों की मौत, सिंचाई मशीन निकालने के लिए कूदे थे

गुमला : के बसिया थाना के ओकबा खरवागाढ़ा गांव में कुएं में डूबने से 2 लोगों की मौत हो गयी है। मृतकों की पहचान नेलशन बाड़ा (14) और सुधू उरांव (20) के रूप में हुई है। घटना सोमवार की है जब दोनों खेत में पटवन कर रहे थे। दरअसल दोनों कुएं में सिंचाई मशीन से खेत में पटवन कर रहे थे। इसी दौरान मशीन कुएं में गिर गयी। मशीन को निकालने के लिए सुधू उरांव कुएं में कूद गया, जिससे वह डूबने लगा। सुधू को बचाने के लिए नेलशन भी कुएं में डूबा। लेकिन दोनों का दम घुटने लगा, जिससे दोनों बेहोश हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांववालों पहुंचे और किसी तरह दोनों को बाहर निकाला। इसके बाद दोनों को सिसई रेफरल अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बसिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बोकारो में 10 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए ASI, एसीबी ने किया गिरफ्तार

बोकारो : जिले के गांधीनगर थाना में तैनात एएसआई अजय प्रसाद को एसीबी की टीम ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एएसआई एक मारपीट के मामले में जांच अधिकारी थे और उन्होंने एक व्यक्ति को केस में फंसाने की धमकी देकर रिश्वत की मांग की थी। एसीबी की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

एसीबी डीएसपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि गांधीनगर थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने एसीबी से शिकायत की थी। उस व्यक्ति का नाम मारपीट के दर्ज मामले में शामिल नहीं था, लेकिन एएसआई ने धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए तो केस में फंसा देंगे। साथ ही, एएसआई पर मामले के दूसरे पक्ष का समर्थन करने का भी आरोप है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने जांच की, जिसमें रिश्वतखोरी की बात सही पाई गई। इसके बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाया और एएसआई अजय प्रसाद को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

होली एवं अन्य त्योहार को लेकर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा चंद्रपूरा एवं फुसरो बाजार के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार आज दिनांक 11 मार्च, 2025 को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ श्वेता लकड़ा द्वारा जिले के फुसरो बाजार अंतर्गत दादा स्वीट्स, देवघर पेड़ा भण्डार, प्रेम मोहन स्वीट्स, कोजी स्वीट्स, छाबड़ा स्वीट्स, बनारसी स्वीट्स एवं दिनांक 10 मार्च, 2025 को चंद्रपुरा बाजार के गोकुल स्वीट्स, क्वालिटी स्वीट्स से दुर्गा स्वीट्स साव स्वीट्स से भी सैंपल लिए गए। साथ ही दुग्धा बस स्टैंड के दुर्गा स्वीट्स एवं साव स्वीट्स से भी सैंपल लिए गए जिसमें कुल 16 सैंपल लिए गए। सभी सैंपल जाँच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

वहीं, जाँच रिपोर्ट आने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अनुसार अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसपर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ श्वेता लकड़ा ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा के नियमों के अनुपालन के साथ कारोबार करने का निर्देश । साथ ही त्यौहार को देखते हुए स्वच्छता पर ध्यान देने एवं खाद्य सामग्रियों में अनावश्यक रंगों के इस्तेमाल से परहेज करने का भी निर्देश दिया।

अलर्ट मोड में रहेंगे सभी दंडाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी अतिसंवेदनशील क्षेत्रों पर रखें विशेष निगरानी

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि होली एवं रमजान त्योहारों को लेकर संप्रदायिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए सभी पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अलर्ट मोड पर रहेंगे। जिन्हें जो दायित्व दिया गया है,उसका वह पालन सुनिश्चित करेंगे। डीजे में अश्लील/भड़काऊ गानों का इस्तेमाल नहीं हो,इसे संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करेंगे। कोई किसी को जबरन रंग नहीं लगाएगा। किसी भी तरह की घटना होने या कोई मामला प्रकाश में आने पर तत्काल उसकी सूचना अपने वरीय पदाधिकारी को देंगे। जिला एवं अनुमंडल नियंत्रण कक्ष चालू रहेगा।

उपायुक्त ने कहा कि सभी बीडीओ/सीओ – थाना प्रभारी आपस में समन्वय बनाकर क्षेत्र में काम करेंगे। उन्होंने संवेदनशील स्थानों एवं आसामाजिक तत्वों को चिन्हित करने का निर्देश दिया। साथ ही, धारा 126 की कार्रवाई के लिए दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों को प्रतिवेदन/तामिला ससमय समर्पित करने को कहा।

उपायुक्त ने क्रमवार थाना क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों/क्षेत्रों की जानकारी थाना प्रभारियों – बीडीओ/सीओ से प्राप्त की। उन्होंने संवेदनशील स्थानों/क्षेत्रों पर विशेष निगरानी बरतने, आसामाजिक तत्वों की सूची तैयार कर उनकी गतिविधि पर नजर रखेंगे। सभी थाना – अंचलाधिकारी आपस में बैठक कर क्षेत्र से संबंधित सूचनाओं को एक दूसरे से साझा कर,संयुक्त रणनीति पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि होलिका दहन की रात अगलगी की घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में अधिकारियों एवं अग्निशमन विभाग को सतर्क रहने की जरूरत है।

वहीं, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज स्वर्गियारी ने कहा कि सभी बीडीओ – सीओ एवं थाना प्रभारी आपस में समन्वय स्थापित कर पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराएंगे। पर्याप्त संख्या में जिले को पुलिस बल उपलब्ध है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सतत निगरानी की व्यवस्था रहेगी। किसी भी तरह की अफवाह फैलाने पर ग्रुप के एडमिन के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। कहीं किसी के क्षेत्र में शराब की अवैध बिक्री या नकली शराब की बिक्री नहीं हो, इसे सभी सुनिश्चित करेंगे। सभी अपने आंतरिक श्रोतों को सक्रिय रखेंगे।

रांची में 4 चोरी की बाइक के साथ छह युवक गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

रांची : रांची एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अरगोड़ा थाना क्षेत्र में बाइक चोर गिरोह का खुलासा करते हुए चार चोरी की बाइक के साथ छह चोर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। हटिया डीएसपी के नेतृत्व में गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर कई टीम का गठन कर छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में 18 वर्षीय सुभाष उरांव, 24 वर्षीय भागीरथ कुमार, 26 वर्षीय संतोष लकड़ा, 25 वर्षीय अमन कुमार महतो और अन्य दो शामिल है।

कतर में पाकिस्तानी और अमेरिकी अफसरों से मिले थे बांग्लादेशी छात्र आंदोलन के नेता, ISI पर थी बड़ी जिम्मेदारी, खुलासा

भारतीय सुरक्षा पेशेवर बांग्लादेश के भीतर और बाहर से मिल रही जानकारी का विश्लेषण कर रहे हैं। ये भी सामने आया है कि अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों ने कतर के जिरए बांग्लादेश और विदेशों में विभिन्न बैंक खातों में बड़ी मात्रा में धन भेजा था। ये धन आंदोलन में इस्तेमाल किया गया।

ढाकाः बांग्लादेश में बीते कुछ समय में बड़े सियासी उलटफेर देखने को मिले हैं। इस साल जून-जुलाई में देश की राजधानी ढाका और कई शहरों में आरक्षण के मुद्दे पर छात्रों के आंदोलन शुरू हुए। इन आंदोलनों के बहुत तेजी से फैलने और हिंसक होने के बाद 5 अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद और देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश में अचानक हुई उथलपुथल के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का अंदेशा कई बार जाहिर किया जा चुका है। अब एक और रिपोर्ट सामने आई है, जो कहती है कि बांग्लादेश में बीते साल से ही शेख हसीना को अस्थिर करने की कोशिश हो रही थी और इसमें पाकिस्तान और अमेरिका के लोग शामिल थे। नॉर्थ ईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन नेशनल सिक्योरिटी नेटवर्क ने बांग्लादेश के भीतर और बाहर से मिली सूचनाओं के विभिन्न पहलुओं को जोड़कर पाया है कि बांग्लादेशी छात्र सगठनों के 'कॉर्डिनेटर' बने कुछ छात्रों ने एक साल में कई दफा लगातार पाकिस्तान, दुबई और कतर का दौरा किया। रिपोर्ट दावा करती है कि यहां इन छात्र नेताओं की मुलाकातें पाकिस्तान और अमेरिका के खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों से हुईं। इन्हीं छात्रों के नेतृत्व में इस साल बांग्लादेश में आंदोलन भड़का और ये लोग सरकार को बदल देने में कामयाब रहे। **पाक अधिकारियों से मिलने वाले छात्र को यूनुस सरकार में मिली तरजीह** बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले मोहम्मद महफूज आलम को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का विशेष सहायक नियुक्त किया गया है। आलम उन छात्रों में शामिल था, जो बीते साल विदेश जाकर पाक और अमेरिकी अफसरों से मिले। रिपोर्ट में बताया गया है कि छात्रों को अलग-अलग तारीखों में विदेश यात्रा कराई गई ताकि बांग्लादेशी खुफिया एजेंसियों को शक ना हो। एक सेवानिवृत्त आईएसआई लेफ्टिनेंट जनरल को बांग्लादेशी छात्रों के साथ संपर्क करने का काम सौंपा गया था। एक भारतीय अधिकारी के मुताबिक यह सेवानिवृत्त आईएसआई जनरल छद्म नाम से काम कर रहा था, जिसने एक साल के भीतर कई बार बांग्लादेश का दौरा किया। पाकिस्तानी सेवानिवृत्त आईएसआई लेफ्टिनेंट जनरल ने अप्रैल और सितंबर 2023 के बीच दोहा के एक होटल में बांग्लादेशी छात्रों के एक समूह से मुलाकात की। ये तब हुआ जब अमेरिकी विदेश विभाग और विशेष रूप से तत्कालीन राजदूत पीटर हास उस समय की शेख हसीना सरकार पर 'निष्पक्ष चुनाव' कराने के लिए कूटनीतिक दबाव बना रहे थे। भारतीय सुरक्षा अधिकारियों को संदेह है कि कुछ अमेरिकी नागरिक दोहा में उसी होटल में ठहरे थे, जहां बांग्लादेशी छात्र रुके थे और उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत भी की थी। यह भी संदेह है कि बांग्लादेश के एक सामाजिक विकास क्षेत्र के पेशेवर ने भी छात्रों के साथ दोहा में आईएसआई लेफ्टिनेंट जनरल से मुलाकात की थी। ये शख्स अब अंतरिम सरकार में अहम पद पर है। भारतीय सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा कि छात्रों की इन बैठकों की कुछ सूचनाएं थीं लेकिन वे हसीना सरकार को गिराने जैसे ऑपरेशन को नहीं भांप सके। एक अधिकारी ने कहा कि हसीना को भी मई 2024 में छात्रों और विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों से जुड़े अमेरिकी ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी गई थी लेकिन वह भी साजिश की गहराई को समझ नहीं पाईं।

धरती में कैसे बनती हैं सोने की डलियां? नई स्टडी में बड़ा खुलासा, दशकों से अनसुलझे सवाल का आखिरकार मिला जवाब

सोने की डलियां बनने को लेकर बड़ा खुलासा।

शोधकर्ताओं ने सोने को लेकर एक बड़ी खोज की है। उन्होंने यह पता लगाया है कि धरती के नीचे बड़ी-बड़ी सोने की डलियां कैसे बनती हैं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि बड़ी सोने की डलियां बनने के पीछे भूकंप है। भूकंप के जरिए ही क्वाट्र्ज की नसों में सोना भरता जाता है।

कैनबराः वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खोज की है। उन्होंने पता लगा लिया है कि कैसे भूकंप के कारण क्वाट्र्ज से बड़े सोने के टुकड़े बनते हैं। यह एक ऐसा रहस्य रहा है जो दशकों से शोधकर्ताओं को परेशान करता रहा है। सोना प्राकृतिक रूप से क्वाट्र्ज चट्टानों में बनता है। फेल्डस्पार के बाद पृथ्वी की परत में दूसरा सबसे प्रमुख खनिज है। लेकिन अन्य प्रकार के सोने के भंडारों के विपरीत क्वाट्र्ज में पाए जाने वाले भंडार अक्सर विशाल सोने के टुकड़े होते हैं। ये टुकड़े के क्वाट्र्ज की दरारों में तैरते हैं जिसे भूविज्ञानी क्वाट्र्ज नसें कहते हैं। क्वाट्र्स समृद्ध चट्टानें समय-समय पर क्रस्ट के भीतर गहराई में हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थ से भरी होती हैं। नेचर जियोसाइंस जर्नल में सोमवार को इससे जुड़ा अध्ययन प्रकाशित हुआ। स्टडी के प्रमुख लेखक और ऑस्ट्रेलिया में मोनाश विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी क्रिस वोइसी ने कहा, 'क्वाट्र्ज में सोना हर समय बनता है। जो चीज अजीब है कि इनमें सोने की बड़ी डली का निर्माण होता है। हमें नहीं पता था कि यह कैसे काम करता है। एक छोटी सी जगह में इतनी बड़े टुकड़े कैसे बनते हैं?'वोइसी ने कहा कि हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थ सोने के परमाणुओं को गहराई से ऊपर ले जाते हैं और उन्हें क्वाट्र्ज नसों के जरिए प्रवाहित करते हैं। इसका मतलब है कि सोने को सैद्धांतिक रूप से एक जगह केंद्रित होने की जगह दरारों में समान रूप से फैलना चाहिए। **भूकंप का पड़ता है असर** स्टडी के मुताबिक सोने की ये डलिया बेहद मूल्यवान हैं और अब तक खनन किए गए कुल सोने का 75 फीसदी तक हैं। उन्होंने कहा कि दो अलग-अलग सुरागों ने उनके सहयोगियों को रहस्य सुलझाने में मदद की। स्टडी से पता चला है कि सोने की डलियां अक्सर उन क्षेत्रों में बनती हैं जहां भूकंप आते हैं। भूकंप इन चट्टानों को तोड़ सकता है और हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थ को क्वाट्र्ज दरारों में धकेल सकता है। लेकिन क्वाट्र्स एक विशेष प्रकार का खनिज है जिसे पीजोइलेक्ट्रिक कहा जाता है। इसका मतलब हुआ कि जब इस पर तनाव पड़ेगा जैसे भूकंप के दौरान तब यह एक इलेक्ट्रिक चार्ज पैदा करता है। **ऐसे बनती है सोने की डली** जब हाइड्रोथर्मल पदार्थ ऊपर चढ़ने लगते हैं, तभी इलेक्ट्रिक चार्ज तरल पदार्थ को ठोस सोने में बदलने लगता है और किसी एक जगह पर इकट्ठा हो जाता है। इससे सोने की डली बन जाती है। सोना एक दूसरे में चिपक जाता है। इसलिए जब एक छोटी डली बनती है तो यह और भी सोने को आकर्षित करती है। हर भूकंप के साथ यह बड़ी होती रहती है।

अमेरिका में भीषण सड़क हादसे में चार युवा भारतीयों की मौत, कार जलकर हुई राख, डीएनए से की जा रही शवों की पहचान

ये हादसा शुक्रवार को हुआ था लेकिन कार में आग लगने और शवों के जल जाने से शवों की पहचान नहीं हो सकी। अमेरिका में लंबे सप्ताहांत के कारण पहचान प्रक्रिया में देरी हुई है, जिससे पीड़ित परिवारों की पीड़ा बढ़ गई है। अब डीएनए के जरिए शवों की पहचान की जाएगी।

वॉशिंगटनः अमेरिका के टेक्सास में पांच वाहनों के आपस में भीड़ जाने से बड़ा हादसा हुआ है। शुक्रवार को हुई इस भीषण टक्कर में एक महिला समेत चार युवा भारतीयों की भी मौत हुई है। ये सभी लोग एक कारपूलिंग ऐप के जरिए जुड़े थे और अरकंसास के बेंटनविले जा रहे थे। हादसे के बाद उस कार में आग लग गई, जिसमें ये लोग सवार थे। ऐसे में शव भी बुरी तरह से जल गए। अधिकारी उनकी पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए टेस्ट करा रहे हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने कहा है कि शवों की पहचान के लिए डीएनए फिंगरप्रिंटिंग की जाएगी और नमूनों का माता-पिता से मिलान किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, एक तेज रफ्तार ट्रक ने उस एसयूवी को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें ये सभी भारतीय सवार थे। मरने वालों के नाम आर्यन रघुनाथ ओरमपति, फारूक शेख, लोकेश पलाचरला और धारशिनी वासुदेवन हैं। ओरमपति और उसका दोस्त फारूख डलास में अपने चचेरे भाई से मिलने के बाद लौट रहे थे। लोकेश पलाचरला अपनी पत्नी से मिलने के लिए बेंटनविले जा रहे थे। धारशिनी वासुदेवन बेंटनविले में अपने चाचा से मिलने जा रही थीं। वे एक कारपूलिंग ऐप के माध्यम से जुड़े थे। इसी ऐप के जरिए अधिकारियों को उनके बारे में जानकारी हासिल हुई।

दर्शिनी के पिता ने मांगी एस जयशंकर से मदद दर्शिनी वासुदेवन के पिता ने तीन दिन पहले एक ट्विटर पोस्ट में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को टैग करते हुए अपनी बेटी का पता लगाने में मदद मांगी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी कुछ लोगों के साथ एक कार पूलिंग पर निकलीं और एक घंटे तक वह मैसेज कर रही थीं। अचानक ही दर्शिनी और उनके साथ यात्रा कर रहे तीन लोगों से संपर्क टूट गया। तमिलनाडु की दर्शिनी टेक्सास के फ्रिस्को में रह रही थी।

भारतीयों का अमेरिका में घुसने का नया तरीका, कनाडा का वीजा लेकर बॉर्डर क्रॉस कर रहे एक अन्य पीड़ित ओरमपति के पिता सुभाष चंद्र रेड्डी हैदराबाद स्थित मैक्स एग्री जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की फर्म के मालिक हैं। वह अमेरिका में रह रहा था। ओरमपति का दोस्त शेख भी हैदराबाद से था और बेंटनविले में रहता था। फारूक शेख के पिता मस्तान वली ने कहा कि वह तीन साल पहले एमएस की डिग्री पूरी करने के लिए अमेरिका गए थे। उन्होंने इसे हाल ही में पूरा किया। सभी शुक्रवार को हादसे का शिकार हो गए।

सोने का गुबंद, 44 सीढ़ियां, 1788 कमरे, दुनिया के सबसे बड़े महल में ब्रुनेई के सुल्तान से मिले पीएम मोदी, जानें खासियत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्रुनेई के दो दिन के दौरे पर गए हैं। यह किसी भारतीय पीएम का पहला ब्रुनेई दौरा है, जो एशिया और बोर्नियो द्वीप पर स्थित एक देश है। ब्रुनेई एक छोटा सा देश है लेकिन दुनिया के अमीर मुल्कों में गिना जाता है। जिसके सुल्तान एक आलीशान महल में रहते हैं।

बंदर सेरी बेगवानः भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय ब्रुनेई की दो दिन की यात्रा पर हैं। अपनी यात्रा के दौरान नरेंद्र मोदी ब्रुनेई के शासक सुल्तान हसनल बोल्कैया से उनके आधिकारिक निवास, इस्ताना नुरुल ईमान पैलेस में मुलाकात की है। ब्रुनेई की राजधानी बंदर सेरी बेगवान में बना इस्ताना नुरुल ईमान पैलेस दुनिया का सबसे शानदार महल कहा जाता है। अपनी भव्यता के लिए इसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। इस महल की भव्यता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसमें 1,788 कमरे, 257 बाथरूम और 38 अलग-अलग तरह के संगमरमर से बनी 44 सीढ़ियां हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्ताना नुरुल इमान (पैलेस ऑफ द लाइट ऑफ फेथ) को सुल्तान हसनल ने 80 के दशक के शुरू में बनवाया था। करीब 1.4 अरब डॉलर की लागत से बना ये महल 1984 में ब्रिटिश शासन से ब्रुनेई की आजादी से ठीक पहले बनकर तैयार हुआ था। इस महल का डिजाइन फिलीपींस के वास्तुकार लियोनार्डो लोक्सिन ने बनाया, जिसका उद्देश्य आजादी के बाद देश के एक नए युग को दिखाना था। **महल में क्या है खास** ब्रुनेई सुल्तान का ये महल करीब 2,00,000 वर्ग मीटर में बना हुआ है, ये आकार इसे दुनिया का सबसे बड़ी आवासीय इमारत बनाती है। 257 बाथरूम और 1,788 कमरों के अलावा इसमें इतना बड़ा बैंक्वेट हॉल है कि वहां एक समय में 5,000 मेहमानों की मेजबानी की जा सकती है। इस महल की पार्किंग में 110 कारों को खड़ा किया जा सकता है। 200 घोड़ों लिए एक वातानुकूलित अस्तबल, पांच स्विमिंग पूल और एक शानदार मस्जिद भी महल के अंदर है। इस मस्जिद में 1,500 लोग एक साथ नमाज पढ़ सकते हैं। महल का वास्तुशिल्प डिजाइन ब्रुनेई की इस्लामी संस्कृति और मलय परंपराओं का मिश्रण है। महल के बाहरी हिस्से में सुनहरे गुंबद बनाए गए हैं। गुबंदों में 22 कैरेट सोने से जड़ा एक केंद्रीय गुंबद भी शामिल है। इसे खुआन च्यू ने डिजाइन किया है, जिन्होंने दुबई के बुर्ज अल अरब को डिजाइन करने में भी मदद की थी। इस महल में कई बड़े कार्यक्रम हो चपके हैं। 28वीं एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) आर्थिक नेताओं की बैठक इसी महल में हुई थी। इस्ताना नुरुल ईमान दुनिया का सबसे बड़ा आवासीय महल है, लेकिन यह सबसे महंगा नहीं है। यानी कीमत के हिसाब से इससे भी ज्यादा हंगा लंदन के शाही परिवार का घर बकिंघम पैलेस है। बकिंघम पैलेस की कीमत करीब 2.9 बिलियन डॉलर है।

पीएम मोदी ने जताई संबंधों में बेहतरी की उम्मीद पीएम मोदी ने ब्रुनेई में कहा कि दोनों देशों के संबंध सदियों पुराने हैं और ये संबंध सांस्कृतिक भी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस बात से खुश हैं कि ब्रुनेई की आजादी की 40वीं वर्षगांठ पर वह यहां आए हैं। वह पीएम मोदी ने ब्रुनेई को भारत लुक ईस्ट पॉलिसी का अहम हिस्सा बताते हुए कहा कि उनके इस दौरे से निश्चित ही दोनों देशों के संबंध और बेहतर होंगे। पीएम मोदी ने इस दौरान 2018 के ब्रुनेई सुल्तान के दौरे को भी याद किया और उनका धन्यवाद किया।

इजरायली सेना को गाजा की सुरंग में पहली बार मिला रेलवे ट्रैक, IDF के हाथ लगी हमास की हैंडबुक, युद्ध रणनीति पर बड़ा खुलासा

इजरायल धीरे-धीरे हमास के सुरंग नेटवर्क को नष्ट कर रहा है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह सैकड़ों मील तक फैला हुआ है। कुछ सुरंगें वाहनों को चलाने के लिए काफी बड़ी हैं, जिनमें गाजा मिस्र सीमा के पास राफा के नीचे एक तस्करी सुरंग भी शामिल है।

गाजा पट्टीः इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा में सुरंग के अंदर एक रेलवे ट्रैक खोजा है। आईडीएफ ने मंगलवार को दावा किया कि उसके सैनिकों को उत्तरी गाजा के नीचे बिछी सुरंग के अंदर रेलवे ट्रैक मिला है। आईडीएफ ने बताया है कि गाजा डिवीजन, उत्तरी गाजा ब्रिगेड और याहलोम यूनिट के इंजीनियरिंग सैनिकों ने सुरंग मार्ग का पता लागाने के बाद इसे तबाह कर दिया। आईडीएफ ने गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार हमास के सुरंग नेटवर्क का खुलासा किया है। इजरायल का मानना है कि हमास ने जमीन के नीचे सुरंगों का बड़ा जाल बिछाया हुआ है, जो उसके लिए युद्ध में बहुत मददगार साबित हुआ है। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने एक बयान में कहा है कि युद्ध की शुरुआत के बाद से ही उसके सैनिक गाजा पट्टी में हमास के भूमिगत बुनियादी ढांचे को बेअसर करने के लिए काम कर रहे हैं। गाजा डिवीजन की इंजीनियरिंग यूनिट और उत्तरी गाजा ब्रिगेड के सैनिकों ने याहलोम यूनिट के सहयोग से बेत लाहिया क्षेत्र में हमास के एक हमले वाले भूमिगत सुरंग मार्ग का पता लगाया और नष्ट कर दिया। नष्ट हुए सुरंग मार्ग की लंबाई एक किलोमीटर से अधिक है। इस सुरंग मार्ग का पता खुफिया जानकारी के आधार पर पिछले कुछ हफ्तों में पता लगाया गया और उसकी जांच की गई। सैनिकों ने सुरंग मार्ग के भीतर हथियारों, विद्युत बुनियादी ढांचे और एक परिवहन रेल की पहचान की। हमास की टनल हैंडबुक भी आईडीएफ के हाथ लगी

हमास की सुरंग नेटवर्क के बारे में जानकारी देने वाली एक हैंडबुक भी इजरायली सेना के हाथ लगी है। इससे इजरायली फौज को हमास के भूमिगत युद्ध की तैयारी का पता चला है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में दावा किया कि गाजा पट्टी में आईडीएफ सैनिकों द्वारा खोजी गई 2019 की एक हैंडबुक बताती है कि हमास ने गाजा में भूमिगत अभियानों के लिए खुद को कैसे तैयार किया।

बांग्लादेश में शेख हसीना की अवामी लीग पर लगेगा प्रतिबंध? जमात और बीएनपी ने क्या कहा

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठ रही है। हालांकि, इस बीच अवामी लीग की दो सबसे कट्टर प्रतिद्वंदी राजनीति दलों बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी ने प्रतिबंध का विरोध किया है। दोनों दलों ने कहा है कि अवामी लीग को प्रतिबंधित नहीं करना चाहिए।

ढाकाः शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की बढ़ती मांग के बीच इसके दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों-बीएनपी और जमात ने कहा कि वे किसी भी राजनीतिक संगठन पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ हैं। सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर लंबे विरोध प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त को इस्तीफा देकर भारत भागीं हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी (जमात) द्वारा आलोचना की जाती रही है। **बीएनपी ने क्या कहा** बीएनपी महासचिव मिर्जा फकरुल इस्लाम आलमगीर ने पीटीआई से कहा, ''शेख हसीना और अवामी लीग के विपरीत, हम हिसाब बराबर करने के लिए किसी राजनीतिक दल पर प्रतिबंध लगाने की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं।'' पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी ने जनवरी के आम चुनाव का बहिष्कार किया था। अवामी लीग सरकार द्वारा प्रतिबंधित की गई जमात ने कहा कि वह भी किसी राजनीतिक दल के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनने की राजनीति में विश्वास नहीं करती है। अंतरिम सरकार ने पिछले हफ्ते जमात पर लगा प्रतिबंध हटा दिया था।

जमात-ए-इस्लामी भी विरोध में जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने पीटीआई से कहा, ''हम अवामी लीग शासन द्वारा किए गए राजनीतिक अत्याचारों के सबसे अधिक पीड़ित रहे हैं। उसने हम पर प्रतिबंध लगाया था। लेकिन हमारा मानना है कि किसी पर प्रतिबंध लगाकर आप किसी राजनीतिक पार्टी या उसकी विचारधारा को खत्म नहीं कर सकते। हम इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं।'' रहमान ने कहा, ''हम चाहते हैं कि वे चुनाव लड़ें और हम उन्हें चुनाव में हराएंगे।''

अस्थिरता पैदा करने वालों पर करेंगे कानूनीः बांग्लादेश अंतरिम सरकार ने मंगलवार को चेतावनी दी कि वह बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। गृह मंत्रालय ने एक परिपत्र जारी कर चेतावनी दी है तथा अति उत्साही एवं स्वार्थी लोगों द्वारा जबरन इस्तीफे, तोड़फोड़, आगजनी, अवैध तलाशी, लूटपाट और जबरन वसूली से पैदा हो रही अस्थिरता पर चिंता व्यक्त की है। परिपत्र में कहा गया है कि अस्थिरता पैदा करने के लिए कुछ लोग पुलिस पर प्राथमिकी दर्ज करने का दबाव बना रहे हैं और अदालत में आरोपियों पर हमला भी कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया में भयानक बाढ़ से भड़के किम जोंग उन, 30 अधिकारियों को फांसी पर लटकाया

उत्तर कोरिया में विनाशकारी बाढ़ आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बाढ़ के कारण 4000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए हैं। इससे उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन भड़क गए हैं। किम जोंग ने बाढ़ न रोक पाने में सक्षम 30 वरिष्ठ अधिकारियों को मौत की सजा दी है।

प्योंगयांगः उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन का देश हाल ही में विनाशकारी बाढ़ से हिल गया। इस बाढ़ को रोक पाने में नाकाम रहने के कारण 30 हाई रैंकिंग अधिकारियों को किम जोंग ने फांसी दे दी है। विनाशकारी बाढ़ ने चागांग प्रांत के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया, जिसमें 4000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए। दक्षिण कोरियाई न्यूज आउटलेट चोसुन टीवी के मुताबिक उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने कहा, 'जिन लोगों ने अस्वीकार्य हताहतों की संख्या बढ़ाई उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।' रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पार्टी के 20-30 प्रमुख व्यक्तियों को पिछले महीने के अंत में एक ही समय में मार डाला गया। इसके अलावा चागांग प्रांत के बर्खास्त पार्टी सचिव कांग बोंग-हून को भी इस परिस्थिति के लिए पकड़ लिया गया है। उत्तर कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (KCNA) के मुताबिक किम जोंग-उन ने अधिकारियों से उन लोगों को सख्ती से दंडित करने को कहा है जो आपदा को रोकने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाए हैं। **भारी बाढ़ से तबाही** जुलाई में उत्तर कोरिया में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ देखा गया। इससे 4000 से ज्यादा घर प्रभावित हुए। 5000 लोग अलग-थलग पड़ गए। किम जोंग ने व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया था। इससे जुड़े वीडियो फुटेज सामने आए थे। KCNA के मुताबिक बच्चों, वृद्ध और विकलांग सैनिकों सहित 15,400 से ज्यादा लोगों को प्योंगयांग की फैसिलिटी में ठहराया गया है। किम जोंग उन ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों को फिर से बनाने में दो से तीन महीने लगेंगे। किम जोंग ने कहा कि प्रांत के कुछ हिस्सों को विशेष आपदा आपातकालीन क्षेत्र घोषित किया गया।

जंगलों की कटाई से बढ़ रही बाढ़ उत्तर कोरिया में बाढ़ का आना कोई नई बात नहीं है। पहाड़ों पर बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के कारण यह स्थिति और भी गंभीर हो गई है। KCNA की रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग ने पहले उन रिपोर्ट्स पर हमला बोला था, जिसमें कहा जा रहा था कि मरने वालों की संख्या 1000-1500 से ज्यादा होने की उम्मीद है। किम जोंग के मुताबिक यह खबरें उन्हें बदनाम करने के लिए फैलाई गई थीं। इस बीच उत्तर कोरिया अपने पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए अपने दरवाजे खोलने पर विचार कर रहा है।

90000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी सिंगापुर की यह कंपनी, अगले चार साल में दोगुना होगा इन्वेस्टमेंट

रियल एस्टेट से जुड़ी एशिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक कैपिटालैंड भारत में अपने निवेश को दोगुना करेगी। कंपनी ने बुधवार को कहा कि कंपनी साल 2028 तक भारत में अपने निवेश को बढ़ाकर 11.32 बिलियन डॉलर करेगी। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सिंगापुर के दौरे पर रहेंगे।

नई दिल्ली: सिंगापुर से भारत के लिए अच्छी खबर आई है। एशिया की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी में से एक कैपिटालैंड (CapitaLand) अगले चार साल में भारत में निवेश की रकम दोगुनी करेगा। इसके मुताबिक यह कंपनी साल 2028 तक भारत में 11.32 बिलियन डॉलर (90 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश करेगी। कंपनी ने निवेश की यह घोषणा ऐसे समय की है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सिंगापुर पहुंचने वाले हैं। कंपनी ने कहा कि भारत में यह निवेश रिन्यूएबल एनर्जी और रियल एस्टेट सेक्टर में किया जाएगा। बता दें कि पिछले महीने ही कंपनी ने भारत में बिजनेस पार्क की स्थापना के लिए एक फंड लॉन्च किया है। उम्मीद है कि इस फंड में करीब 530 मिलियन डॉलर की रकम और जोड़ी जाएगी। इस निवेश के साथ कंपनी का ग्लोबल टार्गेट साल 2028 तक 150 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाएगा। कैपिटालैंड के सीईओ ली ची कूं ने बताया कि कंपनी अपने पोर्टफोलियो को बढ़ा रहा है। चूंकि भारत में निवेश के बेहतर अवसर हैं। इसी वजह से यहां निवेश की रकम को अगले चार साल में दोगुना किया जाएगा।

क्या है कैपिटालैंड? कैपिटालैंड ग्रुप एशिया की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। इसका हेडक्वार्टर सिंगापुर में है। यह कंपनी रियल एस्टेट से जुड़े प्रोजेक्ट में निवेश करती है। कंपनी ने दुनिया के 40 से ज्यादा देशों के 260 से ज्यादा शहरों में निवेश किया हुआ है। **दो दिन की यात्रा पर पीएम नरेंद्र मोदी** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन की यात्रा पर सिंगापुर पहुंचेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, राष्ट्रपति थर्मन शानमुगरत्नम और अन्य प्रमुख नेताओं से मुलाकात करेंगे। बता दें कि सिंगापुर भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जो देश के कुल व्यापार का 3.2 फीसदी हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में सिंगापुर से आयात 21.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था जबकि निर्यात कुल 14.4 बिलियन डॉलर रहा।

बैंक FD में कहां पाएंगे इतना, इस फंड ने तो साल भर में ही दे दिया 31% से ज्यादा का रिटर्न

लोग सुरक्षित निवेश का ठिकाना ढूंढते रहते हैं। साथ ही ढूंढते हैं ऐसी जगह जहां ज्यादा से ज्यादा रिटर्न मिले। ऐसे में म्यूचुअल फंड का रिटर्न बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट या निवेश के अन्य परंपरागत साधनों पर भारी पड़ता है। आज हम एक ऐसे फंड के बारे में बता रहे हैं जिसने साल भर में ही 31 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

मुंबई: बात जब निवेश की होती है तो लोग बैंक में एफडी (Bank FD) को सबसे पहले देखते हैं। निवेशक थोड़ा जागरूक हुअ तो वे पब्लिक प्रोविडेंट फंड या पीपीएफ की तरफ देखता है। कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ कर म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। इस निवेश से उन्हें अपनी रकम को तेजी से बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं। जी हां, आज हम एक ऐसे फंड के बारे में बता रहे हैं, जिसने बैंक डिपॉजिट, पीपीएफ या निवेश के अन्य सभी साधनों को रिटर्न में काफी पीछे छोड़ दिया है। इसने एक साल में 31 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न दिया है।

एक लाख बना 1.31 लाख से ज्यादा एक साल में हम बात कर रहे हैं एक्सिस म्यूचुअल फंड के बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के बारे में में। इसने बीते एक साल में 31 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। यानी अगर आपने साल भर पहले एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज आपकी रकम 1.31 लाख रुपये से भी ज्यादा होती। इतना रिटर्न न तो बैंक डिपॉजिट में मिलेगा और ना ही पीपीएफ या पोस्टऑफिस डिपॉजिट में।

बेंचमार्क रिटर्न को भी पीछे छोड़ा एक्सिस के बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के एक साल के 31 फीसदी से ज्यादा रिटर्न की तुलना में इसके बेंचमार्क निफ्टी 50 हाइब्रिड कंपोजिट ने केवल 17.68 फीसदी का रिटर्न दिया है। तीन साल में चक्रवृद्धि यानी सीएजीआर की दर से इस फंड का रिटर्न 15 फीसदी से अधिक रहा है।

दूसरे फंड हाउस का क्या है रिटर्न इसी अवधि के दौरान अन्य फंड हाउसों का रिटर्न देखें तो निप्पॉन के बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने एक साल में 28 फीसदी का रिटर्न दिया है। बिरला के बैंलेस्ड फंड ने 25 फीसदी, एसबीआई बैलेंस्ड ने 25 फीसदी, कोटक बैलेंस्ड ने 24 फीसदी और टाटा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने केवल 23 फीसदी का रिटर्न दिया है। **किस फार्मूले पर होता है एसेट अलोकेशन** एक्सिस फंड के बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की शुरुआत एक अगस्त 2017 को हुई थी। अब इसने सात साल पूरे कर लिए हैं। इस समय इसका असेट अंडर मैनेजमेंट 2466 करोड़ रुपये है। दरअसल, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड एसेट अलोकेशन के लिए फंड डायनामिक अप्रोच का पालन करता है। इसके लिए बैलेंस्ड एडवांटेज फंड सिस्टैमैटिक नियम आधारित मॉडल का उपयोग करता है जो इक्विटी अलोकेशन को समयानुसार समाहित करता है। यह एक इन हाउस प्रोसेस है जिसकी मदद से फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश कर पाता है। यह फंड इक्विटी या फिक्स्ड इनकम में शून्य से 100 फीसदी तक निवेश करता है।

गतिशील रणनीति एक्सिस म्यूचुअल फंड के इक्विटी फंड मैनेजर जयेश सुंदर कहते हैं कि एक्सिस बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इक्विटी आवंटन के लिए एक गतिशील रणनीति अपनाता है, जिसमें उचित मूल्यांकन पर मजबूत विकास क्षमता वाली कंपनियां शामिल होती हैं। यह फंड निवेश के लिए मॉडल आधारित मूल्यांकन को देखता है। जिसके जरिये जोखिम का पता चलता है। एक एसेट अलोकेशन कमिटी है जो मासिक रूप से निवेश की समीक्षा करती है और घटनाओं के आधार पर निवेश का निर्णय लिया जाता है। यह फंड रिबैलेंसिंग के लिए पांच फैक्टर का पालन करता है। इसमें प्रमुख रूप से वैल्यूएशन, अर्निंग, वैश्विक और घरेलू स्तर पर मैक्रो स्थितयां रुझान और वैश्विक घटनाएं आदि हैं। एक्सिस बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इक्विटी आवंटन के लिए एक गतिशील रणनीति अपनाता है, जिसमें उचित मूल्यांकन पर मजबूत विकास क्षमता वाली कंपनियां शामिल होती हैं। यह फंड निवेश के लिए मॉडल आधारित मूल्यांकन को देखता है।

कर्मचारियों में डर का माहौल, मैनेजमेंट करता है गाली-गलौज... सेबी चीफ माधबी बुच की मुश्किलें बढ़ीं

__नई दिल्ली:__ मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बोर्ड की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच कई तरह के आरोपों से घिरी हैं। इस बीच सेबी के अधिकारियों ने पिछले महीने वित्त मंत्रालय को एक अभूतपूर्व शिकायत की थी। इसमें पूंजी एवं कमोडिटी मार्केट रेगुलेटर की लीडरशिप पर टॉक्सिक वर्क कल्चर को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। 6 अगस्त को लिखी एक चिट्ठी में कहा गया है कि सेबी की बैठकों में चिल्लाना, डांटना और सार्वजनिक रूप से अपमानित करना आम बात हो गई है। ईटी ने इस चिट्ठी को देखा है। यह चिट्ठी ऐसे समय सामने आई है जब बुच पर अडानी-हिंडनबर्ग मामले की जांच को लेकर हितों के टकराव का आरोप है। साथ ही विपक्ष ने बुच को अपने पुराने एम्प्लॉयर आईसीआईसीआई बैंक से मिले मुआवजे पर भी सवाल उठाए हैं। जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा ने भी बुच पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाए हैं। हालांकि बुच का कहना है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है। सेबी ने कहा कि कर्मचारियों के साथ मामले सुलझा लिए गए हैं। रेगुलेटर ने एक ईमेल में कहा कि अधिकारियों ने चिट्ठी में जो शिकायतों की थीं उन्हें पहले ही सुलझा लिया गया है। कर्मचारियों के साथ उनके मुद्दों के समाधान के लिए संपर्क एक सतत प्रक्रिया है। रेगुलेटर के पास ग्रेड ए और उससे ऊपर के लगभग 1,000 अधिकारी हैं। उनमें से आधे यानी लगभग 500 ने पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने इस बारे में ET के प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया। __गाली-गलौज का यूज__ सेबी के अधिकारियों द्वारा फाइनेंस मिनिस्ट्री को भेजे पत्र में कहा गया है कि बुच के नेतृत्व वाली टीम कर्मचारियों के साथ कठोर और गैर-पेशेवर भाषा का यूज करती है। उनकी पल-पल की गतिविधि पर नजर रखती है। ऐसे टारगेट दिए जाते हैं जिन्हें हासिल करना नामुमकिन है। सेबी के इतिहास में शायद यह पहली बार है कि जब उसके अधिकारियों ने लीडरशिप पर इस तरह के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि लीडरशिप के इस तरह के व्यवहार से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हुआ है और उनका वर्क-लाइफ बैलेंस बिगड़ गया है।

नाबालिग को अब 18 साल की उम्र के बाद ही मिलेगा PPF का इंटरेस्ट

पीपीएफ से जुड़े नियमों में बदलाव किया गया है। नाबालिगों के नाम पर खोले जाने वाले, कई पीपीएफ अकाउंट और नेशनल स्मॉल सेविंग्स स्कीम (NSS) के तहत डाकघरों के माध्यम से NRI के लिए पीपीएफ अकाउंट के विस्तार से जुड़े नियम बदले गए हैं। वित्त मंत्रालय के डिपॉर्टमेंट ऑफ इकॉनमिक अफेयर्स ने ये बदलाव किए हैं।

नई दिल्ली: पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) एक पॉपुलर निवेश विकल्प है। इसकी वजह ये है कि इसके पीछे सरकारी गारंटी है, जिससे यह रिस्क फ्री हो जाता है और सुनिश्चित रिटर्न मिलता है। हमारे सहयोगी इकॉनमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पीपीएफ अकाउंट को लेकर कुछ नियमों में बदलाव किया गया है। वित्त मंत्रालय के डिपॉर्टमेंट ऑफ इकॉनमिक अफेयर्स ने पीपीएफ अकाउंट से जुड़े 3 नियमों में बदलाव किए हैं। इस बारे में पिछले महीने 21 अगस्त को एक सर्कुलर जारी किया गया था। नए नियम 1 अक्टूबर 2024 से लागू होने वाले हैं।एनबी

विभाग की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक नाबालिगों के नाम पर खोले जाने वाले, कई पीपीएफ अकाउंट और नेशनल स्मॉल सेविंग्स स्कीम (NSS) के तहत डाकघरों के माध्यम से NRI के लिए पीपीएफ अकाउंट के विस्तार से जुड़े नियम बदले गए हैं। सर्कुलर के अनुसार, अनियमित स्मॉल सेविंग्स अकाउंट को रेगुलर करने की शक्ति वित्त मंत्रालय के पास है। इसलिए, इनसे जुड़े सभी मामलों को वित्त मंत्रालय के पास भेजा जाना चाहिए। **1. नाबालिग PPF अकाउंट**

सर्कुलर में कहा गया है कि नाबालिग के नाम पर खोले गए पीपीएफ अकाउंट के मामले में उसके 18 साल की आयु पूरी होने तक ऐसे अनियमित अकाउंट के लिए पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट (POSA) के बराबर ब्याज का भुगतान किया जाएगा। इसके बाद उसे पूरी ब्याज दर का भुगतान किया जाएगा। ऐसे अकाउंट के मामले में मैच्योरिटी पीरियड उस तारीख से माना जाएगा, जिस दिन नाबालिग 18 साल का हो जाए। **2. एक से अधिक PPF अकाउंट** एक से अधिक PPF अकाउंट रखने पर प्राइमरी अकाउंट पर योजना दर से ब्याज मिलेगा। इसकी शर्त यह है कि जमा राशि प्रत्येक वर्ष के लिए लागू अधिकतम सीमा के भीतर हो। दूसरे अकाउंट में पड़ा पैसा प्राइमरी अकाउंट में मिला दिया जाएगा। इसके लिए जरूरी है कि प्राइमरी अकाउंट हर साल अनुमानित निवेश सीमा के भीतर रहे। इसके बाद प्राइमरी अकाउंट में स्कीम की ब्याज दर के हिसाब से पैसा आता रहेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्राइमरी और सेकंडरी अकाउंट के अलावा कितने भी अकाउंट होने पर उनमें ब्याज नहीं दिया जाएगा।

नव्या ने बिजनेस में मचाई हुई है धूम, कंपनियों की फाउंडर से लेकर पार्टनरशिप तक, जानें कितनी है नेटवर्थ

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा इन दिनों चर्चा में हैं। इस चर्चा का उनकी IIM में एडमिशन लेना है। नव्या बॉलीवुड से दूर बिजनेस की दुनिया में सफल युवा हैं। वह अपने पिता की कंपनी में पार्टनर हैं और दूसरी कई कंपनियों की फाउंडर भी हैं। जानें, नव्या की संपत्ति की मालकिन हैं:

नई दिल्ली: अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा इन दिनों चर्चाओं में हैं। इनकी चर्चा का कारण है कि इन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM), अहमदाबाद में एमबीए के लिए दाखिला लिया है। 26 साल की नव्या को बच्चन परिवार के साथ अक्सर देखा जाता है। वहीं दूसरी ओर अब नव्या के बिजनेस औश्र इनकी संपत्ति को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। बता दें कि नव्या करोड़ों रुपये की मालकिन हैं। साथ ही वह अपने पिता की एक कंपनी में पार्टनर हैं। वह कई और बिजनेस से भी जुड़ी हुई हैं।

40 हजार करोड़ रुपये की कंपनी हिस्सेदारी नव्या के पिता निखिल नंदा एस्कॉर्ट्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन हैं। यह एक इंजीनियरिंग फर्म है। नव्या ने अपने पिता के बिजनेस में भी कदम रखा है। नव्या की कृषि के क्षेत्र में मौजूद एस्कॉर्ट्स कुबोटा में 0.02% हिस्सेदारी है। इस हिस्सेदारी की वैल्यू 7 करोड़ रुपये है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा की मार्केट वैल्यू करीब 40 हजार करोड़ रुपये है।

अमिताभ बच्चन ने गिफ्ट किया 50 करोड़ का बंगला अमिताभ बच्चन और जया बच्चन ने अपनी बेटी श्वेता बच्चन (नव्या की मां) को पिछले साल नवंबर में जूहू स्थित 50 करोड़ रुपये का बंगला गिफ्ट किया था। प्रतिक्षा नाम का यह बंगला 17 हजार स्क्वेयर फुट में बना है। ऐसे में नव्या के हिस्से में यह पैतृक संपत्ति भी अपने भाई के साथ मिलेगी। इससे भी नव्या की संपत्ति में हिस्सा बढ़ेगा। इस बंगले के अलावा नव्या को अपने पिता की तरफ से दिल्ली और दूसरे शहरों में मौजूद पैतृक संपत्ति में भी हिस्सा मिलेगा।

कितनी है नेटवर्थ?

नव्या की नेटवर्थ के बारे में बहुत सटीक जानकारी नहीं है। कई मीडिया रिपोर्ट में नव्या की नेटवर्थ करीब 16 करोड़ रुपये बताई गई है। चूंकि नव्या कई कंपनियों की फाउंडर और को-फाउंडर है और पिता के बिजनेस में हिस्सेदार हैं, ऐसे में उनकी नेटवर्थ ज्यादा हो सकती है। हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार नव्या का पर्सनल नेटवर्थ करीब 60 करोड़ रुपये हो सकती है।

मुझे फॉलो न करें, मेरे जैसा बिल्कुल भी न बनें...नारायण मूर्ति ने 12 साल के बच्चे से क्यों कहा ऐसा

इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने अपने एक संबोधन में वहां मौजूद सभी लोगों को चौंका दिया। उन्होंने 12 साल के एक बच्चे के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मुझे फॉलो करने से बचें। साथ ही उन्होंने अपने जीवन में घटीं महत्वपूर्ण बातों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्होंने समय के साथ चीजों को सीखा है।

नई दिल्ली: इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति को काफी लोग अपना आदर्श मानते हैं। टेक की दुनिया से जुड़े काफी लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं और उनके पदचिन्हों पर चलने की कोशिश करते हैं। वहीं नारायण मूर्ति ने 12 साल के एक बच्चे से कहा कि वह उनके पदचिन्हों पर न चले। एक स्कूल के कार्यक्रम में बोलते हुए नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरे पदचिन्हों पर चलने से बेहतर है कि आप अपना रास्ता खुद चुनें और देश के निर्माण में अपना योगदान दें। इस कार्यक्रम में छोटी क्लास के स्टूडेंट मौजूद थे। इसी दौरान 12 साल के एक बच्चे ने नारायण मूर्ति से पूछा कि आपके जैसा बनने के लिए मुझे क्या करना चाहिए? इसका जवाब देते हुए नारायण मूर्ति ने कार्यक्रम में मौजूद सभी को चौंका दिया। उन्होंने कहा मैं नहीं चाहता कि तुम मेरे जैसे बनो। मैं चाहता हूं कि तुम राष्ट्र की भलाई के लिए मुझसे बेहतर बनो। इस दौरान नारायण मूर्ति ने अनुशासन के महत्व के बारे में भी बच्चों को बताया। उन्होंने कहा कि मुझे मेरे पिता ने एक टाइम टेबल के जरिए समय के महत्व के बारे में बताया। मूर्ति ने कहा कि पिता के अनुशासन का यह पाठ तब काम आया जब उन्होंने SSLC परीक्षा में राज्य में चौथा स्थान प्राप्त किया।

नारायण मूर्ति ने इन बातों का किया उल्लेख 1. असफलताओं की जिम्मेदारी लें मूर्ति ने कहा कि हमें अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। साथ ही गर्व के क्षणों को टीम के साथ शेयर करें। इसके बारे में उन्होंने एक पेरिस का उदाहरण दिया जहां एक प्रोग्रोम की टेस्टिंग के दौरान उनसे गलती से पूरे कंप्यूटर सिस्टम की मेमोरी डिलीट हो गई थी। 2. शेयरिंग के बारे में भी बताया

नारायण मूर्ति ने बताया कि निस्वार्थ से किसी के साथ कोई चीज शेयर करना काफी खुशी देता है। उन्होंने शुरुआत के दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने स्कॉलरशिप मिली थी। उस पैसे में से उन्होंने एक जोड़ी कपड़े खरीदे। मां ने उन कपड़ों को भाई को देने को कहा, जिसका शुरू में उन्होंने विरोध किया। अगले दिन, मूर्ति ने कपड़े अपने भाई को सौंप दिए। इससे उन्हें काफी खुशी हुई। **3. खुद का रास्ता बनाने के लिए किया प्रोत्साहित** नारायण मूर्ति ने युवा छात्रों को अनुशासन, नेतृत्व, उदारता, जिम्मेदार नागरिकता और टीमवर्क के मूल्यों को अपनाते हुए अपने अनूठे रास्ते बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हर शख्स को जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए। ऐसा काम करना चाहिए जो राष्ट्र के हित में हो।

नेशनल हाईवे पर बिछेगा सुरंगों का जाल, सफर करने में होगी आसानी, जानें क्या है सरकार का प्लान

अगले कुछ सालों में देशभर में सुरंगों का जाल बिछाया जाएगा। ये सुरंगें नेशनल हाईवे पर बनाई जाएंगी ताकि परिवहन में आसानी हो सके। ये बातें केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्लान अगले कुछ वर्षों में 70 से ज्यादा नई सुरंग बनाने का है।

नई दिल्ली: सड़कों पर आवागमन आसान बनाने के लिए देशभर में नेशनल हाईवे पर सुरंगों का जाल बिछाया जाएगा। केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय 74 नई सुरंगें बनाने की योजना बना रहा है। इसमें 1 लाख करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि इससे नेशनल हाईवे नेटवर्क को मजबूत करने में आसानी होगी। नई सुरंगों का निर्माण आगामी कुछ वर्षों में किया जाएगा। इनकी कुल लंबाई 273 किलोमीटर होगी। नितिन गडकरी ने कहा कि इस समय जिन सुरंगों का निर्माण हो रहा है, उनका नियमित ऑडिट कराया जाएगा।

विदेशी कंपनियों की भागीदारी पर दिया जोर *नितिन गडकरी ने सुरंगों के निर्माण में विदेश कंपनियों की आधी से ज्यादा भागीदारी का समर्थन किया। फिक्की की ओर से आयोजित टनलिंग इंडिया सम्मेलन के दूसरे संस्करण में गडकरी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि सुरंगों के निर्माण और कार्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने वाले संयुक्त उद्यमों में विदेशी भागीदारों या कंपनियों को 51 फीसदी हिस्सेदारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों के लिए 49 फीसदी हिस्सेदारी छोड़ देनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि काम ठीक से हो।*

क्वालिटी से समझौता नहीं *गडकरी ने कहा कि सुरंगों के प्रोजेक्ट के लिए टेक्नॉलजी और वित्तीय मापदंड आसान होने चाहिए। हालांकि इसके लिए क्वालिटी से समझौता नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि डीपीआर निर्माता सुरंगों के निर्माण के दौरान निगरानी की कमी के 'दोषी' हैं जिसके कारण अक्सर भूस्खलन होता है। यह भूस्खलन भारत में हर साल बढ़ रहा है। गडकरी ने कहा कि उत्तराखंड और दूसरे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रहे भूस्खलन के मुद्दों से निपटने के लिए एक स्थायी समाधान खोजने की जरूरत है।* ***लॉजिस्टिक लागत कम करने पर जोर*** *गडकरी ने लॉजिस्टिक लागत कम करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम अपनी लॉजिस्टिक लागत को 9 फीसदी तक कम कर दें तो हमारे निर्यात में 1.5 गुना वृद्धि होगी। आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के मुताबिक भारत में लॉजिस्टिक लागत 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.8 फीसदी से 8.9 फीसदी के बीच थी।*

सफलता और धन दौलत पाने के लिए जीवन में इस चीज का होता है महत्व

व्यक्तित्व प्रभावी होगा तो कर्म में प्रकट होगा, यह आपको जीवन में साफ साफ दिखाई देने लग जाएगा। आपके विचारों से ही आपका व्यक्तित्व बनता है और वही आपको सफलता और असफलता दिखाता है। किसी भी चीज के लिए मनुष्य को किसी ओर पर दोष नहीं लगाना चाहिए क्योंकि जीवन के चाबी केवल आपके पास होती है... आपके व्यक्तित्व का प्रभाव : स्वामी विवेकानंद

देखो, हमारे आसपास दुनिया में क्या चल रहा है। अपना प्रभाव चलाना, यही दुनिया है। हमारी शक्ति का कुछ अंश तो हमारे शरीर धारण के उपयोग में आता है, पर हमारी शक्तियों का प्रत्येक अंश दूसरों पर अपना प्रभाव डालने में व्यय होता रहता है। हमारे शरीर, गुण, बुद्धि और हमारा आत्मिक बल- ये सब लगातार दूसरों पर प्रभाव डालते आ रहे हैं। इसी प्रकार दूसरों का प्रभाव भी हम पर पड़ता चला आ रहा है। हमारे आसपास यही चल रहा है।

एक प्रत्यक्ष उदाहरण है। एक मनुष्य तुम्हारे पास आता है। वह खूब शिक्षित है, उसकी भाषा भी सुंदर है। वह तुमसे एक घंटा बात करता है, फिर भी वह अपना असर नहीं छोड़ पाता। दूसरा मनुष्य आता है। वह चंद शब्द बोलता है। शायद वे शब्द शुद्ध और व्यवस्थित भी नहीं होते, फिर भी वह खूब असर कर जाता है। यह तुममें से बहुतों ने अनुभव किया है। इससे स्पष्ट है कि मनुष्य पर जो प्रभाव पड़ता है वह सिर्फ शब्दों से नहीं होता। विचार भी शायद प्रभाव का एक-तिहाई ही पैदा करते होंगे। पर बाकी दो-तिहाई प्रभाव उसके व्यक्तित्व का ही होता है। जिसे तुम व्यक्तित्व आकर्षण कहते हो, वही प्रकट होकर तुम पर अपना असर डाल देता है।

प्रत्येक कुटुंब में एक मुख्य संचालक होता है। कोई संचालक यशस्वी होता है, कोई नहीं। ऐसा क्यों? जब हमें अपयश मिलता है तो हम दूसरों को कोसते हैं। अपयश आने पर प्रत्येक मनुष्य अपना कसूर और अपने दोष नहीं, बल्कि यह दिखलाने की कोशिश करता है कि वह निर्दोष है और सारा दोष किसी मनुष्य या किसी वस्तु पर, और दुर्भाग्य पर मढ़ना चाहता है। जब घर का प्रमुख कर्ता सफलता न प्राप्त कर सके तो उसे यह सोचना चाहिए कि कुछ लोग अपना घर किस प्रकार अच्छी तरह चला सकते हैं और दूसरे क्यों नहीं?

मनुष्य जाति के बड़े-बड़े नेताओं की बात ली जाए तो हमें सदा यही दिखाई देगा कि उनका व्यक्तित्व ही उनके प्रभाव का कारण था। अब बड़े-बड़े प्राचीन लेखक और दार्शनिकों की बात लो। सच पूछो तो असल और सच्चे विचार उन्होंने हमारे सम्मुख कितने रखे हैं? बीते समय के नेताओं ने जो कुछ लिख छोड़ा है उसका विचार करो। उनकी लिखी हुई पुस्तकों को देखो और प्रत्येक का मूल्य आंको। जिन्हें हम असल, नए और स्वतंत्र विचार कह सकते हैं, वे इस संसार में सिर्फ मुट्ठी भर ही हैं। लोगों ने जो विचार हमारे लिए छोड़े हैं उनको उन्हीं की पुस्तकों में से पढ़ो तो वे हमें कोई बहुत बड़े नहीं प्रतीत होते। फिर भी अपने जमाने में वे बहुत बड़े हो गए हैं। ऐसा क्यों होता है। सिर्फ उनके सोचे हुए विचारों के कारण ही नहीं, न उनकी लिखी हुई पुस्तकों के कारण ही, और न यह कि अपने दिए हुए भाषणों के कारण ही वे बहुत बड़े प्रतीत होते थे। बल्कि किसी एक-दूसरी ही बात के कारण ऐसा प्रतीत होता है और वह है उनका व्यक्तित्व।

जैसा कि मैं पहले कह चुका हूं, व्यक्तित्व दो-तिहाई ही होता है और बाकी एक-तिहाई होती है मनुष्य की बुद्धि और उसके कहे हुए शब्द। सच्चा मनुष्यत्व या उसका व्यक्तित्व ही वह वस्तु है, जो हम पर प्रभाव डालती है। हमारे कर्म हमारे व्यक्तित्व के बाह्य आविष्कार मात्र हैं। प्रभावी व्यक्तित्व कर्म के रूप से प्रकट होगा ही। इस कारण के रहते हुए कार्य का आविर्भाव अवश्यंभावी है।

सुख-शांति और आनंद जीवन में स्थाई चाहिए तो तुरंत करें यह काम

जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। समय के साथ हर चीज बदलती रहती है तो उसके साथ मनुष्य के विचार और कार्य भी। हर इंसान की इच्छा होती है कि उसके जीवन में सुख-शांति और आनंद स्थायी रहे लेकिन ऐसा होता नहीं है। अगर ये चीज स्थायी चाहिए तो जीवन में इस तरह के बदलाव करने पड़ेंगे, तभी आपको ये चीजें मिलेंगी...

जीवन में शांति के उपाय

याद रहे, पुण्य और पाप कर्म दोनों ही बांधते है। एक लोहे की जंजीर है तो एक सोने की। लोहे की जंजीर से छुटकारा पाने का मन भी करता है। लेकिन अगर जंजीर सोने की हो, तो छूटने का मन नहीं करेगा। पाप कर्म बंधन है तो पुण्यकर्म भी बंधन है। जब तुम सुख में होते हो तो इसमें एक इच्छा होती है। फिर मन करता है कि अब यह परिस्थिति बनी रहे। हमेशा सुख बना रहे। यह कामना जब मन में उत्पन्न होती है तो हम भूल जाते हैं कि परिस्थिति परिवर्तनशील होती है। कोई भी परिस्थिति कायम नहीं रहती। कभी राजा, कभी रंक, कभी बहुत कुछ, कभी कुछ भी नहीं। क्या समुद्र में रहकर कोई जहाज एकदम शांत रह सकता है? जब समुद्र के पानी में ही लहरें उठ रही हों, तो भला जहाज कैसे शांत रह सकता है।

समय बदलता रहता है। बदलाव समय का स्वरूप है। इक्कीस साल पहले हमारा जो शरीर था, वह आज नहीं है। गंगा के घाट पर बैठकर गंगाजी को देखते हो तो तुम्हें लगता है कि गंगा वही है, ऐसा नहीं है। गंगा वही नहीं है, बल्कि घाट वही है। देखते-देखते गंगा में बहुत जल बह गया। समय का चक्र चलता ही रहता है। हमारी दृष्टि में वर्तमान, भूत, भविष्य काल ऐसे भेद हो सकते हैं। समय अपने आप में न भूत है, न वर्तमान है, न भविष्य है। सब कुछ समय के भीतर हो रहा है, और समय में सब बदल रहा है। लेकिन समय नहीं बदलता। वह अव्यय, अखंड है। यह समय, यह काल परमात्मा का ही स्वरूप है। गीता में कहा गया है कि परमात्मा सबके भीतर है, सबके बाहर भी है। जो भीतर है उसको हम अंतर्यामी कहते हैं, और जो बाहर है उसको हम काल स्वरूप कहते हैं।

अंतर्यामी हैं प्रभु। तुम्हारे भावों, तुम्हारे विचारों सबके वह साक्षी हैं। तुम उनसे कुछ छिपा नहीं सकते। बाहर वह काल स्वरूप हैं। भीतर हैं तो तुम्हारी सांसें चल रही हैं। मजे की बात है, भीतर रहकर वह जीवन दे रहे और बाहर रहकर वो जीवन हर रहे हैं। हर सांस के साथ तुम्हारा जीवन नष्ट होता जा रहा है। जिस तरह से प्रकाश और सागर की तरंगें होती हैं। वैसे ही हम भी एक तरंग हैं चैतन्य के महासागर की। उठी हुई तरंग को जीवन कह दो, लेकिन वास्तव में वह तरंग पैदा नहीं हुई। वह उसी चैतन्य के महासागर में तुम्हें दिखी। वह दिखना जब बंद हो गई तो उसको चाहे तुम मृत्यु कह लो। वास्तव में मृत्यु जैसी कोई चीज है ही नहीं। गीता में भगवान श्रीकृष्ण समझाते हैं, आत्मा किसी काल में भी न तो जन्म लेती है, न मरती है और न उत्पन्न होकर फिर होने वाली ही है। यह अजन्मी, नित्य, सनातन और पुरातन है। शरीर के मारे जाने पर भी यह नहीं मरती। मनुष्य के जीवन में तीन बातें है। शोक, मोह और भय। शोक इसलिए कि आनंद नहीं है। मोह इसलिए कि सुख नहीं है, और भय इसलिए कि शांति नहीं है। तुम चाहते हो आनंद, सुख-शांति और ये तीनों स्थायी हों तो शोक, मोह, भय को छोड़ो। ईश्वर हम सभी के हृदय में है पर हमारा अहंकार उन्हें प्रकट नहीं होने देता। अहंकार को त्यागना है क्योंकि मन की ऐसी स्थिति में मनुष्य सोचने लगता है कि सब मेरा है। यह विनाश का मूल है।

लड़के मदद क्यों नहीं मांगते दुख हो तो कहते क्यों नहीं, हर फिक्र को धुएं में उड़ाना ताकत नहीं, कमजोरी

हेनरी नेल्सन के टेड टॉक की शुरुआत कुछ सवालों से होती है। सैकड़ों लोगों से भरे हॉल में हेनरी पूछते हैं और उनके ये सवाल सिर्फ कमरे में मौजूद पुरुषों और लड़कों से हैं। सवाल- आप में से कितने लोगों ने किसी परेशानी में अपने घरवालों को फोन करके कहा कि मुझे आपकी मदद की जरूरत है?

हॉल में मौजूद एक भी लड़के का हाथ ऊपर नहीं उठता।

सवाल- आप में से कितने लोगों ने ऊपर से जताया कि सब ठीक है, सब मजे में चल रहा है, जबकि कुछ भी ठीक नहीं था। आप भीतर से बहुत अकेले और परेशान थे।

सारे के सारे पुरुषों के हाथ एक साथ ऊपर उठ जाते हैं।

यह संयोग तो नहीं है। यह सिर्फ उस हॉल में मौजूद पुरुषों की कहानी नहीं है। यह हमारे आसपास के सभी पुरुषों की कहानी है। **वे कभी मदद नहीं मांगते**। चार महीने पहले यह कॉलम लिखने की शुरुआत से भी पहले, जब मैं इसके लिए रिसर्च कर रही थी तो मेरा पहला सोशल एक्सपेरीमेंट यही था। मैंने अपने ऑफिस, घर और आसपास के 100 से ज्यादा पुरुषों से ये सवाल पूछे और जवाबों को एक जगह डॉक्यूमेंट किया- आप कभी दुखी हों, मन खराब हो तो अपने दोस्त को फोन करके बोलते हैं कि यार अच्छा नहीं लग रहा। बात करने का दिल कर रहा है। कभी किसी परेशानी में फ्रेंड या फैमिली को फोन करके कहा है, "आय एम नॉट ओके। आई नीड हेल्प।"

आप अपने दोस्तों से, फैमिली से कभी ये कहते हैं- "मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा। मुझे ये परेशानी है, ये तकलीफ है। प्लीज, मेरी मदद करो।"

और इन सवालों के जवाब में सिर्फ एक लड़के का उत्तर हां था। बाकी सबका जवाब- ना। पुरुष कभी अपनी कोई परेशानी नहीं बताते। कोई मदद नहीं मांगते। सब खुद को सुपरमैन समझते हैं। समझते भले न हों, लेकिन दिखाते तो यही हैं। भीतर से भले टूट रहे हों, लेकिन बाहर से यही जताना है कि सब बढ़िया है। हां, इसका एक दूसरा पहलू भी है। ऐसा नहीं है कि लड़के बिलकुल भी मदद नहीं मांगते। मांगते हैं, दुनियादारी के कामों में मदद। किसी को धमकाना हो; किसी लड़की (लव इंटरेस्ट) की डीटेल निकलवानी हो; कोर्ट-कचहरी में कोई कागज पास करवाना हो; पुलिस, नेता, अधिकारी के यहां अटका कोई काम हो; जमीन-मकान खरीदना-बेचना हो; नौकरी देनी या लेनी हो। दुनियादारी के हर काम के लिए पुरुष कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं। मदद मांगते और मदद देते हैं। एक आवाज पर हाजिर रहते हैं। लेकिन उन परेशानियों के लिए नहीं, जो आंखों से दिखाई नहीं देतीं, कानों से सुनाई नहीं देतीं, सिर्फ महसूस की जा सकती हैं। उन परेशानियों के लिए पुरुष न कभी मदद मांगते हैं और न मदद मांगने वाले के प्रति बहुत सहानुभूति रखते हैं। पता है दिल के मामलों में ऐसी बेदिली रखने का नतीजा क्या होता है। मर्द अपने इमोशंस दबाते हैं, इसलिए दूसरे के इमोशंस को भी हंसी में उड़ा देते हैं। लड़कियों पर सेंटिमेंटल होने का ठप्पा चिपकाते हैं और अपने सेंटीमेंट्स का मामूली आदर तक नहीं कर पाते। दोस्त दिल टूटने पर रोने लगे तो बाकी दोस्त उसका मजाक उड़ाते हैं। तकलीफ को हैंडल करने का उनके पास एक ही तरीका है। बोतल खोलकर बैठ जाओ। खुशी हो तो, गम हो तो। जीत मिले तो, हार मिले तो। हर मर्ज की एक ही दवा है- बोतल। पैग पर पैग लगाओ, धुएं के छल्ले बनाओ और हर फिक्र को उस धुएं में उड़ा दो। ऐसे क्षणों में सब देव आनंद के अनुयायी बन जाते हैं।

लेकिन फिक्रें ऐसे धुएं में उड़ाने से उड़ जातीं तो क्या बात थी। फिक्रें कहीं नहीं जातीं। वो वहीं रहती हैं उनके भीतर। उन्हें कठोर, गुस्सैल और चिड़चिड़ा बनाती। हर वो बात, जो लड़के जाहिर नहीं करते, हर वो दुख जो वो नहीं बताते, वो बातें कहीं चली नहीं जातीं। वो उनके भीतर ही जमा होकर बैठी रहती हैं और एक दिन नासूर बन जाती हैं। सालों साल इसी तरह जीते गुजर जाएं तो दबी हुई बातें बीमारियां बनकर फूटने लगती हैं।

हम लड़कियों का जीवन इसके ठीक उलट है। छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बात हम कितनी आसानी से एक-दूसरे से साझा कर लेती हैं। हमारे पास हर सुख-दुख बांटने के लिए एक सहेली होती है। मुहब्बत के अरमानों से लेकर रोजमर्रा के मामूली फसानों तक हम लड़कियां हर बात कह देती हैं। रो लेती हैं, मदद मांग लेती हैं। मुझे याद है, बचपन में मां कैसे नानी-मौसी को फोन करके अपनी सारी उलझनें, तकलीफें, शिकायतें सब साझा कर लेती थीं। पापा सिर्फ देश-दुनिया की बातें करते थे। उनके पास निजी रूप से बताने-जताने, कहने-पूछने के लिए कुछ नहीं था। चूंकि वो अपनी परेशानियां कहते नहीं थे तो मौके-ब-मौके किसी पर भी बिना बात भी भड़क सकते थे। अपने दबे हुए इमोशंस को जताने का यही एक जरिया था उनके पास। लड़के जिस चीज को महानता के तमगे और बहादुरी के मैडल की तरह अपनी छाती पर टांके चलते हैं, सच तो ये है कि वो उनके जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है। धरती पर कोई मनुष्य ऐसा नहीं, जो हमेशा बहादुर बना रहे। जो कभी कमजोर न पड़े। जिसे कभी दुख न हो।

अगर कोई ऐसा कर रहा है तो इसका एक ही मतलब है कि उसके पास कमजोर हो सकने की जगह नहीं है। दुख और कमजोरी जता सकने की जगह नहीं है। और सिर्फ जगह नहीं, उसकी इस बात की ट्रेनिंग भी नहीं है। उसे बचपन से मर्दानगी की यही परिभाषा सिखाई गई है। उसे दुख जताने का स्पेस ही नहीं दिया गया। उसके आंसुओं को गिरने से पहले ही रोक दिया गया। मर्द होने की यही ट्रेनिंग अंत में टॉक्सिक मर्द पैदा करती है। ऐसे मर्द, जो किसी के इमोशंस के प्रति करुणा नहीं बरतते। जो इमोशनल होने को एक कमजोरी की तरह देखते हैं। और कमजोर कौन दिखना चाहता है भला। हमारे लड़कों को मैस्क्यूलिनिटी के नए स्कूल की जरूरत है। जहां उन्हें ये सिखाया जाए कि कमजोर होना, दुख जताना, रोना और मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि ताकत की निशानी है। बहुत हिम्मत चाहिए ये कहने के लिए- "आई नीड हेल्प।"

हृदय में जहां उत्सव है, वहीं आनंद भी छिपा है

आनंद पाने के लिए मैंने सैकड़ों किताबें पढ़ीं। जगह-जगह पर्यटन के लिए गया, पर सब निरर्थक साबित हुआ। पर जब अपने अंदर की ओर मुड़ा जहां जीवनी शक्ति विराजमान है, उसको जाना-पहचाना तो वास्तव में जीवन के आनंद से साक्षात्कार हुआ।

happiness चैतन्य से जुड़ने पर जीवन का आनंद प्राप्त होता है। आनंद के लिए हम लोग कहां-कहां नहीं भटकते और कैसे-कैसे उपाय करते हैं। लेकिन वह आनंद क्षणिक होता है। साधनों से प्राप्त आनंद कुछ समय बाद छूट जाता है। लेकिन अपने अंदर जो चैतन्य है, उससे जुड़ने पर जीवन का सच्चा आनंद प्राप्त होता है। हमें अपने जीवन में सदा यही प्रयास करना चाहिए कि हम अपने चैतन्य से जुड़े रहें। कबीर ने अपने अंदर अनुभव किया, तब कहा, 'इस घट-अंतर बाग-बगीचे इसी में सिरजनहारा। इस घट-अंतर सात समुंदर इसी में नौ लख तारा। इस घट-अंगर पारस मोती इसी में परखनहारा। इस घट-अंतर अनहद गरजै इसी में उठत फुहारा।' यह पढ़ने-सुनने में आश्चर्य सा लगता है। साधक अपनी साधना की परम अवस्था में पहुंचने के बाद ही इसका अनुभव कर पाता है। हमारा आकर्षण सौंदर्य के प्रति हमेशा रहता है। क्यों? हम क्यों सुंदर चीजें और सुंदर रूप देखना पसंद करते हैं, उसे क्यों पाना चाहते हैं? क्योंकि हमारे अंदर भी सौंदर्य का

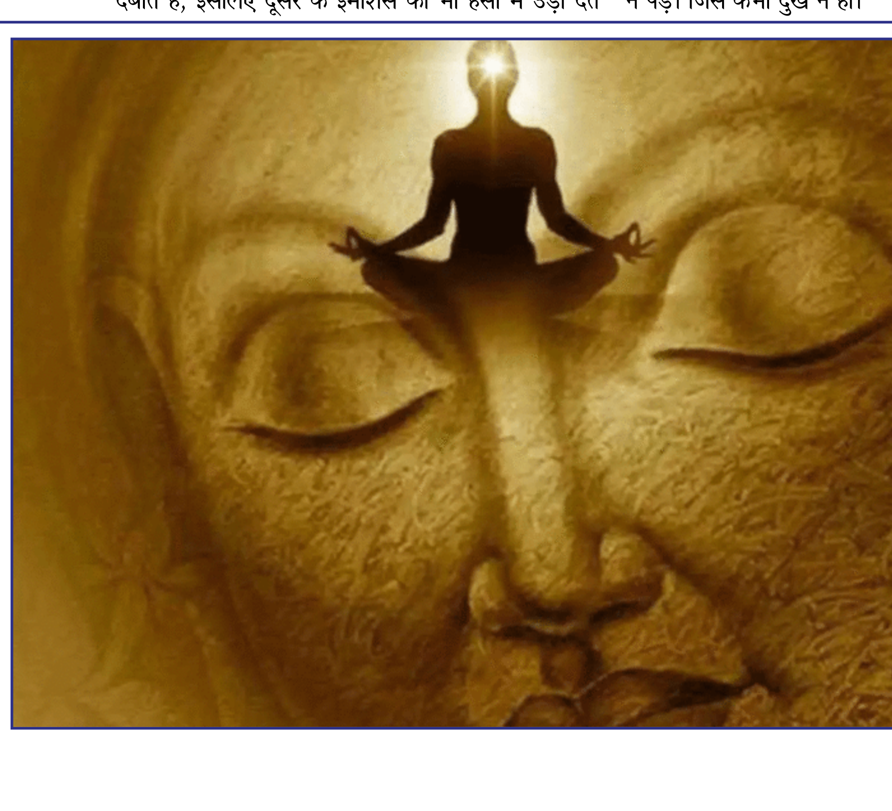

अद्भुत खजाना बसा है। उस सौंदर्य को न निहार पाने के कारण हम एक तरह की अतृप्ति, एक प्यास, एक खालीपन महसूस करते हैं, और उसकी तलाश में बाहर के सौंदर्य की ओर आकर्षित होते हैं। कबीर कहते हैं 'घट की वस्तु नजर नहीं आवे, बाहर फिरत गंवारा रे।' विडंबना ही है कि नजदीक का सौंदर्य हमारी अनुभूति में नहीं आ रहा, इसलिए उसे बाहर तलाश कर रहे हैं। जितने भी संत-महात्मा हुए, उन सभी ने अलग-अलग ढंग से अपने अनुभव में यही बात कही और जीवन के इस रहस्यमय सौंदर्य को प्राप्त करने की प्रेरणा दी। जब मनुष्य मृत्यु को प्राप्त होता है तो उसका चेहरा ढक दिया जाता है, चाहे वह कितना ही सुंदर क्यों न हो, ऐसा क्यों? वह मृत काया हमें सुंदर क्यों नहीं लगती? सोने जैसी सुंदर देह को निष्प्राण हो जाने पर जला देते हैं या फिर जमीन में गाड़ देते हैं। इसका अर्थ यह है कि जीवन का असली सौंदर्य वह 'प्राण शक्ति' ही है, जिससे जीवन संचरित होता है। संत-महात्मा कहते हैं कि जीवन की सुंदरता तुम्हारे अंदर है। उसका आकर्षण ऐसा है, जैसे पतंगे का होता है। असली आकर्षण इस सांस के साथ, इस जीवन के साथ है जो हमारे अंदर है। लेकिन इसे पहचानना होगा। जीवन के इस सौंदर्य से परिचित हो कर 'जीवन का उत्सव' मनाया जाना चाहिए। इसके लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि अपने अंदर झांकना है और तृप्त हो जाना है।

जीवन के इस सौंदर्य में एक सुमधुर संगीत (अनहद नाद) है, एक थिरकन है, स्पंदन है, नृत्य है। इस नृत्य के साथ अपनी लय जोड़कर नृत्य का आनंद उठा सकते हैं, झूम सकते हैं। चूंकि जीवन शाश्वत है, रस और संगीतमय है, विलक्षण नृत्य से परिपूर्ण है, इसलिए भीतर तो जीवन का उत्सव हो ही रहा है। इसका आयोजन हमें नहीं करना है, सिर्फ अंतःकरण में जाकर उस उत्सव के साथ जुड़ जाना है। जीवन सरल, सहज और मधुर है। इसलिए अपने अंदर झांको और स्वर्ग के उपवन में भ्रमण करो और जीवन के मधुरस का पान कर कृत्य-कृत्य हो जाओ।

5 भारतीय गेंदबाज जिन्होंने वनडे में डाला है सबसे महंगा स्पेल, एक बॉलर का नाम दो बार

क्रिकेट में हर खिलाड़ी रिकॉर्ड बनाना चाहता है। हालांकि कुछ ऐसे भी रिकॉर्ड है जो कोई भी खिलाड़ी अपने नाम नहीं करना चाहता है। हम आपको आज भारत के लिए सबसे महंगा स्पेल डालने वाले 5 गेंदबाजों के बारे में बताते हैं। क्रिकेट में रिकॉर्ड दो प्रकार के होते हैं। एक रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो हर कोई बनाना चाहता है। दूसरी तरफ कुछ अनचाहे रिकॉर्ड भी होते हैं। इन रिकॉर्ड को कोई भी खिलाड़ी अपने नाम नहीं करना चाहता है। हर कोई चाहता है कि उनके नाम दर्ज हुआ रिकॉर्ड जल्द से जल्द कोई तोड़ दे। इसमें भी एक रिकॉर्ड सबसे महंगा स्पेल डालने का है। हम आपको आज भारत के लिए वनडे में सबसे महंगा स्पेल डालने वाले 5 गेंदबाजों के बारे में बताते हैं। भुवनेश्वर कुमार- 106 रन वनडे में सबसे महंगा स्पेल डालने का भारतीय रिकॉर्ड भुवनेश्वर कुमार के नाम है। भुवी ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 10 ओवर में 106 रन खर्च कर दिए थे। उस मैच में पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 438 रन बनाए थे। **आर विनय कुमार- 102 रन** भुवनेश्वर कुमार के अलावा आर विनय कुमार ने भी भारत के लिए एक वनडे मैच में 100 से ज्यादा रन दिए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2013 में बेंगलुरु में खेले गए वनडे में 9 ओवर में ही 102 रन खर्च किए थे। इसी मैच में रोहित शर्मा ने 209 रनों की पारी खेली थी।

भुवनेश्वर कुमार- 92 रन टॉप-3 में भुवनेश्वर कुमार का नाम दो बार है। 2017 में भारत का मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में हुआ था। उस मैच में भुवी ने 10 ओवर में 92 रन दिए थे। हालांकि इसके बाद भी भारत को उस मुकाबले में जीत मिली थी।

युजवेंद्र चहल- 89 रन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2020 के सिडनी वनडे में लेग स्पिनर चहल ने 89 रन खर्च कर दिए थे। उस मैच में स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 66 गेंद पर 105 रनों की पारी खेली थी। भारत को उस मैच में 66 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। भारत के सबसे सफल तेज गेंदबाजों में शामिल जहीर खान लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं। जहीर ने 2009 में श्रीलंका के खिलाफ राजकोट वनडे में 10 ओवर में 88 रन दिए थे। उस मैच में भारत ने 414 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ने भी 411 रन बना दिए थे।

नाथन लायन बोले- 3 मैच का हो WTC फाइनल:ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने कहा- यह प्रतियोगिता मेरे लिए वर्ल्ड कप जैसी

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन ने 3 मैचों के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की वकालत की है। उन्होंने कहा है कि मैं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए 3 मैचों की सीरीज देखना चाहूंगा। यह थोड़ा बेहतर हो सकता है। यह टीमों को दबदबा दिखाने और 3-0 से सीरीज जीतने का मौका दे सकता है। 36 साल के अनुभवी स्पिनर ने ICC से कहा- 'एक मैच के बजाए एक से अधिक मैचों का फाइनल टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा सटीकता देगा।' एक दिन पहले मंगलवार को ICC ने मौजूदा साइकल के फाइनल की तारीख और वेन्यू का ऐलान किया। इस बार का फाइनल 11 से 15 जून तक लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। लायन से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी 3 मैचों का टेस्ट फाइनल कराने की बात कह चुके हैं। **नाथन लायन मौजूदा साइकल के 9 मैचों में 43 विकेट ले चुके हैं।** नाथन लायन मौजूदा साइकल के 9 मैचों में 43 विकेट ले चुके हैं। बोले- टेस्ट चैंपियनशिप टूर्नामेंट गेम से अलग

लायन ने कहा- 'यह टूर्नामेंट गेम नहीं है, जिसमें आप 2 मुकाबले हारने के बाद आसानी से सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकते हैं। यहां पहुंचने के लिए आपको साइकल के 2 साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मैं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए 3 मैचों की सीरीज देखना चाहूंगा। यह थोड़ा बेहतर हो सकता है, क्योंकि आप एक सत्र में टेस्ट मैच हार सकते हैं, लेकिन यह टीमों को अपना दबदबा दिखाने और 3-0 से जीतने का मौका दे सकता है। वैसे भी हमारे पास समय की कमी है और यह एक चुनौती होगी, लेकिन यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं बदलना चाहूंगा।' **लायन के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में कुल 187 विकेट हो चुके हैं।** लायन के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में कुल 187 विकेट हो चुके हैं। आप इंग्लैंड में एक, भारत में एक, ऑस्ट्रेलिया में एक मैच सकते हैं, इसलिए आपके पास सभी अलग-अलग स्थितियां हैं, लेकिन जाहिर है, इसका समय सब कुछ बदल देता है। मुझे नहीं लगता कि हम अगस्त के बीच में MCG पर उतरेंगे, बस इसे वहां रख रहे हैं। टेस्ट चैंपियनशिप का फॉर्मेट किसी सीरीज के डेड रबर्स ट्रेंड (बिना मतलब के मैच) को खत्म करता है और तय करता है कि हर मैच अहम हो, कॉम्पटीशन बना रहे। 2 साल के साइकल में हर अंक महत्वपूर्ण हो। यह बहुत बड़ा है, लेकिन मुझे लगता है कि मेरे लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप एक वर्ल्ड कप की तरह है। यह बड़ा वर्ल्ड कप है। जब आप 2 साल तक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ कॉम्पीट करते हैं, तो आपको हर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करना होता है। **रोहित ने भी कही थी 3 मैच के फाइनल की बात** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले सीजन का फाइनल मैच हारने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी 3 मैचों के WTC फाइनल की बात कही थी। उन्होंने यह भी कहा था कि टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल इंग्लैंड से बाहर भी होना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया ने WTC 2021-23 के फाइनल में भारत को 209 रन से हराया था।

5 भारतीय गेंदबाज जिन्होंने वनडे में डाला है सबसे महंगा स्पेल, एक बॉलर का नाम दो बार

क्रिकेट में हर खिलाड़ी रिकॉर्ड बनाना चाहता है। हालांकि कुछ ऐसे भी रिकॉर्ड है जो कोई भी खिलाड़ी अपने नाम नहीं करना चाहता है। हम आपको आज भारत के लिए सबसे महंगा स्पेल डालने वाले 5 गेंदबाजों के बारे में बताते हैं।

5 भारतीय गेंदबाज जिन्होंने वनडे में डाला है सबसे महंगा स्पेल, एक बॉलर का नाम दो बार

क्रिकेट में रिकॉर्ड दो प्रकार के होते हैं। एक रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो हर कोई बनाना चाहता है। दूसरी तरफ कुछ अनचाहे रिकॉर्ड भी होते हैं। इन रिकॉर्ड को कोई भी खिलाड़ी अपने नाम नहीं करना चाहता है। हर कोई चाहता है कि उनके नाम दर्ज हुआ रिकॉर्ड जल्द से जल्द कोई तोड़ दे। इसमें भी एक रिकॉर्ड सबसे महंगा स्पेल डालने का है। हम आपको आज भारत के लिए वनडे में सबसे महंगा स्पेल डालने वाले 5 गेंदबाजों के बारे में बताते हैं।

भुवनेश्वर कुमार- 106 रन वनडे में सबसे महंगा स्पेल डालने का भारतीय रिकॉर्ड भुवनेश्वर कुमार के नाम है। भुवी ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 10 ओवर में 106 रन खर्च कर दिए थे। उस मैच में पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 438 रन बनाए थे।

आर विनय कुमार- 102 रन भुवनेश्वर कुमार के अलावा आर विनय कुमार ने भी भारत के लिए एक वनडे मैच में 100 से ज्यादा रन दिए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2013 में बेंगलुरु में खेले गए वनडे में 9 ओवर में ही 102 रन खर्च किए थे। इसी मैच में रोहित शर्मा ने 209 रनों की पारी खेली थी। **भुवनेश्वर कुमार- 92 रन** टॉप-3 में भुवनेश्वर कुमार का नाम दो बार है। 2017 में भारत का मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में हुआ था। उस मैच में भुवी ने 10 ओवर में 92 रन दिए थे। हालांकि इसके बाद भी भारत को उस मुकाबले में जीत मिली थी।

युजवेंद्र चहल- 89 रन युजवेंद्र चहल- 89 रन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2020 के सिडनी वनडे में लेग स्पिनर चहल ने 89 रन खर्च कर दिए थे। उस मैच में स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 66 गेंद पर 105 रनों की पारी खेली थी। भारत को उस मैच में 66 रनों से हार झेलनी पड़ी थी।

जहीर खान- 88 रन भारत के सबसे सफल तेज गेंदबाजों में शामिल जहीर खान लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं। जहीर ने 2009 में श्रीलंका के खिलाफ राजकोट वनडे में 10 ओवर में 88 रन दिए थे। उस मैच में भारत ने 414 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ने भी 411 रन बना दिए थे।

जो कभी नहीं हुआ वो भारत ने पेरिस में किया, पैरालंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का बनाया रिकॉर्ड

पेरिस पैरालंपिक्स में भारतीय दल ने तोक्यो पैरालंपिक्स के 19 पदकों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 20 पदक जीत लिए हैं। पिछले तीन पैरालंपिक से भारत अपने बेस्ट प्रदर्शन को पीछे छोड़ रहा है। रियो में 4 मेडल के बाद तोक्यो में 19 और अब पेरिस में 20 मेडल हो गए हैं।

पेरिसः फ्रांस की राजधानी पेरिस में हो रहे पैरालिंपिक में भारत का परचम लहरा रहा है। भारत ने तोक्यो पैरालिंपिक के 19 पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 20 मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। यह किसी एक पैरालंपिक में भारत के सबसे ज्यादा मेडल की संख्या है बुधवार को भारतीय पैरा एथलीटों ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए सिर्फ आधे घंटे में चार मेडल अपने नाम किए। इन 20 पदकों में 3 गोल्ड, 7 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स में भारत के लिए आधे मेडल यानी 10 मेडल पैरा एथलेटिक्स से आए हैं। पैरा बैडमिंटन में भी भारत ने 5 पदकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा शूटिंग में 4 और तीरंदाजी में 1 मेडल भारत के खाते में आया। बुधवार को पुरुषों की भाला फेंक F46 फाइनल में अजीत सिंह ने 65.62 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सिल्वर और सुंदर सिंह गुर्जर ने 64.96 मीटर के सीजन के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह पेरिस पैरालिंपिक में एथलेटिक्स में भारत का पहला दोहरा मेडल रहा।

मुझे गर्व है... प्रीति पाल ने पैरालंपिक में रचा इतिहास, जानें दो मेडल जीतने के बाद क्या कहा

पुरुषों की ऊंची कूद T63 फाइनल में भी भारत के दो एथलीटों ने मेडल जीते। शरद कुमार (T42) ने 1.88 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ सिल्वर मेडल जीता और T42 वर्ग में एक नया पैरालंपिक रिकॉर्ड भी बनाया। शरद ने तोक्यो 2021 में जीते गए ब्रॉन्ज मेडल को पेरिस 2024 में सिल्वर में बदल दिया। वहीं, मरियप्पन थंगावेलु (T42) ने 1.85 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मेंटल मंकी कहकर चिढ़ाते थे गांव वाले, नाक में दम कर देते थे, पैरालंपिक में मेडल जीत रचा इतिहास

समय-समय की बात है। एक वक्त था जब दीप्ति जीवनजी को उनके ही गांव वाले मेंटल मंकी कहकर चिढ़ाते थे, लेकिन गर्व कर रहे होंगे। इस महिला एथलीट ने पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता और देश को गौरवान्वित किया। आइए जानते हैं सूर्य ग्रहण के दिन पैदा हुई इस एथलीट की पूरी कहानी...

नई दिल्लीः वह सूर्य ग्रहण के दौरान पैदा हुई थी और जन्म के समय उसका सिर बहुत छोटा था, साथ ही होंठ और नाक थोड़े असामान्य थे। उसे गांव वाले चिढ़ाते थे। पिछी (मेंटल)- कोठी (मंकी) कहकर नाक में दम कर देते थे। वह घर आते ही फूट-फूटकर रोती। छोटी थी। उसे संभालने के लिए हम पूरी कोशिश करते, लेकिन बच्ची तो बच्ची होती है। लोग हमें उसे अनाथालय भेजने के लिए कहते थे। आज उसे दूर देश में पैरालंपिक मेडल जीतते देखना यह साबित करता है कि वह वास्तव में एक खास लड़की है... जी हां यह कहानी है दीप्ति जीवनजी की और इस बारे में दीप्ति की मां जीवनजी ने ये बातें बताईं।

पेरिस पैरालिंपिक 2024 ने दुनिया को दिखा दिया है कि अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। चुनौतियों के बावजूद एथलीट्स ने सफलता की बुलंदियों को छुआ है। भारत की दीप्ति जीवनजी उन प्रेरणादायी एथलीटों में से हैं, जिनका सफर चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। दीप्ति जीवनजी ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 में महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए 16वां पदक दिलाया। पैरा-एथलीट ने यह दौड़ 55.82 सेकंड में पूरी की।

दीप्ति जीवनजी ने इससे पहले जापान के कोबे में विश्व एथलेटिक्स पैरा चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। वह आंध्र प्रदेश के वारंगल जिले के कल्लेडा गांव की रहने वाली हैं। उनके माता-पिता जीवनजी यादगिरी और जीवनजी धनलक्ष्मी ने तब याद किया था कि कैसे उनकी बेटी को बड़े होने के दौरान ताने सहने पड़ते थे। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, दीप्ति बौद्धिक विकलांगता (Intellectual Disability) के साथ पैदा हुई थीं। Paris Paralympics: जो कभी नहीं हुआ वो भारत ने पेरिस में किया, पैरालंपिक में सबसे ज्यादा **मेडल जीतने का बनाया रिकॉर्ड**

वह बताती हैं- जब मेरे पति के पिता का निधन हुआ तो हमें अपना खर्च चलाने के लिए खेत बेचना पड़ा। मेरे पति प्रतिदिन 100 या 150 रुपये कमाते थे, इसलिए ऐसे दिन भी आए जब मुझे अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए काम करना पड़ा, जिसमें दीप्ति की छोटी बहन अमूल्या भी शामिल थी। दीप्ति हमेशा शांत रहने वाली बच्ची थी और बहुत कम बोलती थी। लेकिन जब गांव के बच्चे उसे चिढ़ाते थे, तो वह घर आकर रोती थी। इसलिए मैं उसके लिए मीठे चावल या कभी-कभी चिकन बनाती थी और इसी से उसे खुशी मिलती थी। अपनी बेटी की बड़ी उपलब्धि के बाद जीवनजी के पिता यादगिरी भावुक हो गए। उन्होंने कहा- भले ही यह हम सभी के लिए एक बड़ा दिन है, लेकिन मैं काम से छुट्टी नहीं ले सकता था।

वो तीन कारण क्यों एमएस धोनी से नफरत करते हैं युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने कई मौकों पर एमएस धोनी के प्रति नकारात्मक भावनाएं व्यक्त की हैं। यहां तीन कारण बताए गए हैं कि योगराज सिंह क्यों धोनी के प्रति दुश्मन जैसा व्यव्हार करते हैं।

वो तीन कारण क्यों एमएस धोनी से नफरत करते हैं युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह

अपने बेबाक बयानों के लिए अक्सर विवादों में रहने वाले योगराज सिंह एकबार फिर मीडिया की सुर्खियों में हैं। योगराज सिंह की पहचान पूर्व भारतीय क्रिकेटर से ज्यादा युवराज सिंह के पिता के रूप में है। 66 वर्षीय योगराज सिंह महेंद्र सिंह धोनी के प्रति अपनी नापसंदगी के लिए जाने जाते हैं। योगराज सिंह ने कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी की आलोचना की है। एकबार फिर उन्होंने माही को आड़े हाथों लिया है। चलिए वो तीन वजह जानते हैं कि आखिर क्यों धोनी युवराज के पिता को फूटी आंख नहीं सुहाते।

मानते हैं युवी का करियर डिस्ट्रॉयर योगराज सिंह का मानना है कि एमएस धोनी ने युवराज सिंह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर के पतन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने धोनी पर युवराज को कप्तान के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पर्याप्त अवसर या उचित समर्थन नहीं देने का आरोप लगाया है। योगराज की मानें तो इसी कारण युवराज के प्रदर्शन और टीम में बने रहने पर असर पड़ा। **2015 वर्ल्ड कप में जानबूझकर किया बाहर** योगराज सिंह के गुस्से का एक बड़ा कारण युवराज सिंह को 2015 क्रिकेट विश्व कप के लिए भारतीय टीम से बाहर किया जाना है। योगराज अक्सर इस फैसले के लिए धोनी को दोषी ठहराते रहे हैं और दावा करते हैं कि अच्छी फॉर्म में होने के बावजूद उनके बेटे को गलत तरीके से बाहर रखा गया।

व्यक्तिगत दुश्मनी समय के साथ योगराज सिंह की आलोचना ने भी व्यक्तिगत स्वर ले लिया है। उन्होंने धोनी पर आत्मकेंद्रित होने और युवराज समेत अन्य खिलाड़ियों का समर्थन नहीं करने का आरोप लगाया है। इस व्यक्तिगत नाराजगी ने धोनी के खिलाफ उनके कठोर सार्वजनिक बयानों को बढ़ावा दिया है। योगराज की बातों से लगता है कि उन्होंने धोनी को खुद का दुश्मन बना लिया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 खलगुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर हिनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं ,651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670